

विभिन्न देशों के 40 सदस्यीय सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया संवाद

गौतमबुद्धनगर। विभिन्न देशों के 40 सदस्यीय सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने एनसीजीजी टीम के साथ जनपद गौतमबुद्धनगर का प्रशासनिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित कर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, कार्यप्रणाली, विकास मॉडल तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रारंभ में सम्बंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी व डिप्टी कलेक्टर डॉ0 पूर्वा शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को जनपद की प्रशासनिक संरचना, शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।



उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन शासन की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। जिला कलेक्टर के कार्यालय में राजस्व प्रशासन का संचालन, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, आपदा प्रबंधन, निर्वाचन कार्यों का निष्पादन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रमुख रूप से शामिल है। मुख्य विकास अधिकारी

ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में तीन तहसील सदर, दादरी एवं जेवर तथा तीन विकास खंड बिसरख, दादरी एवं जेवर संचालित हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में छह नगर निकाय भी कार्यरत हैं। प्रशासनिक व्यवस्था में जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो एवं लेखपाल सहित विभिन्न स्तरों के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से शासन की

योजनाओं एवं नीतियों को प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचाया जाता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन के सिद्धांतों को प्राथमिकता देते हुए तकनीकी नवाचार एवं ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। जनसुनवाई, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली तथा विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में भी प्रतिनिधिमंडल को विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम

पोषण योजना, जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) सहित राज्य सरकार की शादी अनुदान योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना प्रमुख हैं। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से चयन कर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक सुनिश्चित हो सके। संवाद के दौरान जनपद गौतमबुद्धनगर की प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई।

परिसंघ की ज्यूरिक् एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। माननीय राष्ट्रपति ने एयरपोर्ट की आधुनिक यात्री सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। स्विस् परिसंघ के माननीय राष्ट्रपति के साथ आए करीब 65 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में , स्विस् राजदूत, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य, राज्य सचिव तथा उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि शामिल रहे। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दौरा दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग की संभावनाओं की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हवाई कनेक्टिविटी को विस्तार मिलने के साथ क्षेत्र में औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों की भी प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। स्विस् परिसंघ के राष्ट्रपति जी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा भारत-स्विस् परिसंघ के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना विकास प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपूम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, एनआईए के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ सैल्मन, चीफ ऑफ़िसिंग ऑफिसर किरण जैन, सीईओ नीतू समरा सहित प्रशासन, प्राधिकरण तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

घर के गेट पर महिला से चेन लूट की कोशिश

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में घर के बाहर खड़ी महिला से चेन लूटने का प्रयास किया गया। महिला परिवार के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच पता पड़ने के बहाने बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। हालांकि, छीना झपटी में चेन टूट कर जमीन पर गिर गई। इस बीच बदमाश खुद को धिरता देखकर वहां से भाग गए। सेक्टर बीटा-1 में एक महिला परिवार के साथ रहती है। वह दो अक्तूबर की शाम पति और दो बच्चों के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और पता पूछने के बहाने महिला के गले से चेन झपट ली। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश का हाथ पकड़ लिया। छीना झपटी में चेन टूटकर कर जमीन पर गिर गई। महिला के शोर मचाने पर बदमाश खुद को धिरता देखकर खाली हाथ वहां से भाग गए। दोनों बदमाश हेलमेट पहने थे। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि घटना की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। बदमाशों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

सेक्टर-51 में वाणिज्यिक गतिविधियां रोकने की मांग

नोएडा। सेक्टर-51 में हो रही वाणिज्यिक गतिविधियों पर आरडब्ल्यूए ने रोष जताया है। आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण सीईओ को पत्र लिखकर समस्या के समाधान की मांग की है। आरडब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि सेक्टर-51 प्राधिकरण के वर्क सर्फिल-तीन में आता है। सेक्टर के के सी, डी, ई, एफ ब्लॉक के चारों तरफ प्रवेश द्वारों पर वाणिज्यिक गतिविधियां हो रही हैं। रेहड़ी-पट्टरी वालों का भी जमावड़ा लगा रहता है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों को सेक्टर से बाहर जाने और बाहर से सेक्टर आने में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के संबंधित विभाग के अधिकारियों को इन समस्याओं से अवगत कराया लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। संबंधित समस्या का सज्ञान लेकर तत्काल प्रभाव से इसका समाधान किया जाए। ताकि सेक्टर के लोग राहत महसूस कर सकें।

किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने मोरना गांव के किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर चार आरोपियों मंगलवार शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी किया गया सामान, अवैध हथियार और चोरी में इस्तेमाल औजार बरामद हुए। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव निवासी अजित कुमार महतो ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि गांव में उनका शिवांश जनरल स्टोर है। वह दो अक्तूबर की सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला। अंदर घुसकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश रिफाईंड की तीन पेट्टी, 15 किलो तेल का तीन, 10 चोकोपिचों के पैकेट, 20 सिगरेट के पैकेट, एक घरेलू गैस सिलेंडर और गल्ले में रखे दो हजार रुपये चोरी करके ले गए। एफआईआर दर्ज कर घटना का पदार्फाश करने के लिए टीम गठित की गई। मंगलवार शाम चार आरोपियों को सिटी सेंटर से सेक्टर-12/22 जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान बिहार के जिला अररिया के गांव रानीगंज निवासी सत्यम कुमार, मिजापुर के कीलापुर गांव निवासी विकास, शाहजहापुर के हैतमपुर गांव निवासी अमन जाटव और गाजीपुर के मोहमदा गांव निवासी कृष्ण के रूप में हुई। चारों आरोपी वर्तमान में सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव में किराये पर रहते हैं। उनके पास से दुकान की बिक्री का सामान, एक गैस सिलेंडर, दो मुहर, दो चेक बुक, एक घड़ी, एक क्रेडिट कार्ड, एक सीसीटीवी कैमरा, चोरी करने में इस्तेमाल लोहे का सबल और दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि गैंग का लीडर सत्यम कुमार है। लोहे के सबल का प्रयोग कर बंद मकान/दुकान के ताले एवं शटर तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मोरना गांव में चोरी की घटना के बाद सामान को सेक्टर-33ए में नाले के पास छिपाकर रख दिया था। चोरी किए गए सामान को थोड़ा-थोड़ा करके आसपास के गांवों में घूम-फिरकर तथा मजदूरों को बेच देते थे। उससे मिलने वाली रकम को आपस में बांट लेते थे।

नशीला पदार्थ पिलाकर युवक को छत से फेंकने का आरोप

गाजियाबाद। क्रांिसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के क्रिश्चियन नगर बागू में एक युवक को नशीला पदार्थ पिलाकर छत से धक्का देने का आरोप लगाया गया है। युवक की मां ने उसकी पत्नी, सास-ससुर, साली और एक अन्य व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय में प्रार्थना-पत्र दिया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग पांच लाख रुपये मांग रहे थे और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी देते थे।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इंड्र कॉलोनी, क्रिश्चियन नगर बागू निवासी कुंती ने अदालत में प्रार्थना-पत्र देकर बताया कि उनके बेटे विशाल की शादी 25 फरवरी 2024 को काजल भारती के साथ सामूहिक विवाह समारोह में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि काजल अपने पति पर परिवार से अलग रहने का दबाव बनाने लगी। इसके बाद विवाल उसके साथ किराये के मकान में रहने लगा, लेकिन विवाद जारी रहा। आरोप है कि काजल के परिजनों ने पांच लाख रुपये देने की मांग की और ऐसा न करने पर विशाल को जान से मारने की धमकी दी।

मागो, अपनी जान बचाओ, बस में आग लग गई टूटकर सड़क पर बिखर गए शीशे

ग्रेटर नोएडा। जिले में 12 दिन के भीतर चलती बस में आग लगने की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 24 सितंबर को यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत हो गई थी। उस हादसे के बाद बसों की फिटनेस, आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण और क्षमता से अधिक भार को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। मंगलवार को सेक्टर-148 के पास जिस बस में आग लगी, उसके अंदर और छत पर सामान भरा हुआ था। बस के कंडक्टर ने शोर मचाकर यात्रियों को आग लगने की सूचना दी। यात्रियों के मुताबिक, आग लगने के बाद उन्हें सामान निकालने का मौका नहीं मिला। यात्रियों ने टिकट के लिए 1200 से 2700 रुपये तक का भुगतान किया था। इनमें समस्तीपुर के यात्रियों की संख्या अधिक बताई गई है। यात्रियों का आरोप है कि आग लगने के



बाद करीब दो घंटे तक उन्हें सड़क किनारे खड़े रहना पड़ा। ट्रेवल एजेंसी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन नहीं उठा। इस कारण यात्रियों को आगे की यात्रा को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में यात्रियों को दूसरे साधन से अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ा। घटना के बाद मौके पर बस का चालक और यात्रियों ने टिकट के लिए 1200 से 2700 रुपये तक का भुगतान किया था। इनमें समस्तीपुर के यात्रियों की संख्या अधिक बताई गई है। यात्रियों का आरोप है कि आग लगने के

आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग बढ़ती देख उसने विल्लाकर कहा, र...भागो, अपनी जान बचाओ। बस में आग लग गई है। ग्रेटर नोएडा जिला प्रशासन की टीम ने यात्रियों को जलपान कराया।

उसके बाद रात्रि भोजन दिया और फिर एक बस की व्यवस्था कर सभी यात्रियों को रात 9 बजे के बाद बिहार के समस्तीपुर जिले के लिए रवाना किया। एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता ने बताया कि घटना स्थल से सभी यात्रियों को परी चौक लाया गया। सभी को जलपान कराया गया। परिवहन विभाग की मदद से बस की व्यवस्था की गई। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि यात्रियों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई। इसके बाद सभी यात्रियों को दूसरे वाहन से उनके घर के लिए रवाना किया गया। कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि करीब आधा घंटे की देरी से दमकल की

गाड़ियां आईं। हालांकि फायर विभाग का दावा है कि घटना की सूचना 5:17 पर मिली और टीम 5:31 बजे तक मौके पर पहुंच गई थी। आग इतनी विकराल थी कि बस के शीशे चूक कर बिखर गए। अंदर रखा दीपावली और छठ पूजा के लिए व्यापारियों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। बस में आग लगने के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। इसके चलते एक्सप्रेसवे पर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लगा गया। आग की घटना के कारण वाहनों की रफ्तार थम गई और बड़ी संख्या में वाहन जाम में फंस गए। जाम में फंसे लोगों ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की। कई वाहन चालकों ने जाम से बचने के लिए एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन का सहारा लिया। पुलिस और यातायात कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया।

अक्षय ने सीबीएसई राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

गाजियाबाद। जनपद के बधिर खिलाड़ियों ने प्रदेशीय बधिर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 11 पदक जीतकर परचम लहराया। वाराणसी में उत्तर प्रदेश राज्य बधिर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए हैं। चारों खिलाड़ी इंग्रहम आशा बधिर विद्यालय के छात्र हैं। टीम के साथ विद्यालय के शिक्षक गणेश चंद्र प्रबंधक के रूप में वाराणसी खेल में भाग लेने गए। गाजियाबाद बधिर संस्था के वाइस चेयरमैन राजीव कांबोज ने बताया कि चैंपियनशिप में मोहम्मद शयन ने डिस्कस और जैवलिन में स्वर्ण पदक व शॉटपुट में रजत पदक हासिल किया। अजय ने भाला फेंक और लंबी कूद में स्वर्ण पदक व 400 मी. दौड़ में रजत पदक जीता। कृष्ण मिश्रा ने डिस्कस श्रो और भाला फेंक में रजत पदक व शॉटपुट में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं पवन कुमार ने भाला फेंक में रजत और लंबी कूद में कांस्य

पदक जीता। तीन खिलाड़ी ट्रिपल मेडलिस्ट बने हैं। उन्होंने कहा कि यह गाजियाबाद के लिए गर्व का क्षण है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक पी जेश्रो ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्या मिस माहिनी बी सैपसन ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अजय इससे पहले राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी जीत चुके हैं। इंग्रहम आशा बधिर विद्यालय के शिक्षक गणेश ने बताया कि मार्च 2026 में गुजरात में राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था, जिसमें अजय ने अंडर-16 आयु वर्ग में भाला फेंक में तीसरा स्थान हासिल किया था। इसके साथ कृष्ण मिश्रा और कृष्ण मिश्रा नौवीं कक्षा के छात्र हैं। तीन और चार अक्तूबर को ईश गाजियाबाद जिला जिनास्टिक चैंपियनशिप का नोएडा में आयोजन किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुई विकसित भारत संकल्प सभा एवं निकाली गई सेवा ज्योति यात्रा

-भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन का हुआ लाइव प्रसारण

गौतमबुद्धनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एवं सेंटर परिसर में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के संबोधन का एलर्इटी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार जे.पी. नड्डा तथा जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, माननीय राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, माननीय सांसद डॉ. महेश शर्मा, माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर, माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं



अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री जी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना। कार्यक्रम में सेवा, सुशासन, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला गया तथा विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया गया।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के संबोधन के प्रसारण के उपरांत

माननीय केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा जी द्वारा सेवा ज्योति प्रचलित कर सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा से प्रारंभ होकर गुर्जर सेवा संस्थान, ग्रेटर नोएडा पर संपन्न हुई। यात्रा में उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा, सुशासन, विकास एवं जनकल्याण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से आमजन को अवगत कराते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

प्रॉपर्टी रजिस्ट्री कराने वालों को राहत, दादरी और ग्रेटर नोएडा में खुलेंगे नए कार्यालय



ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में दो नए उपनिबंधन कार्यालय स्थापित होंगे। इसमें एक दादरी व दूसरा ग्रेटर नोएडा में होगा। दादरी में पहले से स्वीकृत उप निबंधन कार्यालय अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगा। उप निबंधकों के कार्यक्षेत्र का भी पुनर्निर्धारण किया जाएगा। जिले में संपत्ति की बड़े पैमाने पर खरीद फरोखा और उप निबंधक कार्यालयों में कार्य के दबाव को देखते हुए शासन ने प्रस्ताव मांगा है। उप निबंधकों के

स्थाई कार्यालय की भी कवायद चल रही है। गौतमबुद्ध नगर में सब रजिस्ट्रार कार्यालयों पर कार्य का दबाव है। दादरी में प्रतिदिन 200 से 250 रजिस्ट्री होती हैं। नवरात्र जैसे विशेष दिनों में इनकी संख्या चार सौ तक पहुंच जाती है। दादरी में नोएडा, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की रजिस्ट्री होती हैं। संपत्ति की रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या अधिक होने के कारण काफी वक्त लगता है। लोगों को असुविधा का भी सामना करना पड़ता है।

ग्रेटर नोएडा में बढ़ेगी गोशालाओं की क्षमता



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के पौवारी और जलपुरा स्थित गोशाला की कुल क्षमता बढ़ाकर दोगुनी की जाएगी। अभी 500 गोशंश को रखने की क्षमता है। इसके अलावा यहां सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी। प्राधिकरण ने इस पर काम शुरू कर दिया है। पौवारी गोशाला में चारदीवारी और नए शेड बनाने का काम किया जा रहा है। गोशाला में विद्युतीकरण का काम भी जल्द कराया जाएगा।

पौवारी गोशाला में सुरक्षा के लिए चारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है। यहां गावों के लिए तीन नए शेड बनाए जा रहे हैं। लगभग 21 बीघा में फैली पौवारी गोशाला में इस समय 500 से अधिक गोवंशी हैं। ग्रेटर नोएडा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में लावारिस पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्राधिकरण ने गोशालाओं की क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है।

अलीपुर में चावल चोरी का फिल्मी खेल बेनकाब, पुलिस ने बरामद किए 127 बोरे, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली देश की राजधानी में चावल के बोरो की चोरी कर उभे ठिकाने लगाने का फिल्मी खेल आखिरकार अलीपुर थाना पुलिस टीम की सतर्कता से बेनकाब हो गया। चोरी की वारदात के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगालना शुरू किया तो एक संदिग्ध वाहन पुलिस की जांच के रडार पर आ गया इसके बाद शुरू हुई सुरागों की कड़ियां जोड़ने की कड़ी मशक्कत की कवायद आखिरकार खुरेजी खास तक जा पहुंची। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया और उनके कब्जे से करीब 3.81 टन चावल से भरे 127 बोरे बरामद किए।

बाहरी उत्तरी जिला के डीसीपी शोभित डी सक्सेना ने बताया कि यह कार्रवाई



उत्तरी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय कुमार के दिशा-निर्देशों में,बाहरी उत्तर जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रथम लोकेश्वरन आर., आईपीएस के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त एसपी बादली फिरोज आलम की निगरानी में की गई। पुलिस के मुताबिक 1 अक्टूबर 2026 को अलीपुर थाना

क्षेत्र में चावल के बोरे चोरी होने की शिकायत सामने आई थी। मामले में थाना अलीपुर में ई-एफआईआर संख्या 80083585/2026 दर्ज की गई। मामले की जांच भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत शुरू की गई। वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस टीम ने घटनास्थल और

आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को बारीकी से खंगालना शुरू किया। फुटेज में संदिग्ध गतिविधियों और वाहनो की आवाजाही का लगातार विश्लेषण किया गया। इसी दौरान पुलिस की नजर एक संदिग्ध वाहन डीएल01एलएटी5402 पर जा टिकी। पुलिस टीम ने वाहन के पंजीकृत मालिक मोहम्मद माजिद पुत्र युनुस खान का पता लगाकर उससे पूछताछ की। पूछताछ और जांच से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। इन सुरागों को जोड़ते हुए पुलिस टीम ने अलग-अलग संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया।

जांच के दौरान पुलिस टीम खुरेजी खास पहुंची, जहां तलाशी अभियान के दौरान चावल के 127 बोरे बरामद किए गए। प्रत्येक बोरे का वजन करीब 30

किलोग्राम बताया गया है। इस तरह बरामद चावल की कुल मात्रा लगभग 3.81 टन आंकी गई है। पुलिस ने बरामद माल को कब्जे में लेकर मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में मोहम्मद अब्दुल्ला निवासी रानी गार्डन शास्त्री नगर दिल्ली को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पहले भी एक मामले में सलिमता सामने आ चुकी है। दूसरे आरोपी की पहचान (33 वर्षीय) ताज मोहम्मद निवासी आराम पार्क, शास्त्री नगर दिल्ली के रूप में हुई है। तीसरे आरोपी (35 वर्षीय) सरफराज उम्र 35 वर्ष निवासी आराम पार्क खुरेजी दिल्ली को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ भी पहले एक मामले में सलिमता रही है पुरे ऑपरेशन को थाना

अलीपुर के प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में उपनिरीक्षक प्रियंका, हेड कांस्टेबल संदीप, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबल सुबोध और हेड कांस्टेबल जितेंद्र शामिल रहे। पुलिस के मुताबिक बरामदगी और गिरफ्तारियों के बाद अब जांच का दायरा और बढ़ाया जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी की पूरी वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया, इसमें आरोपियों की क्या-क्या भूमिका रही और चोरी के माल को कहाँ-कहाँ पहुंचाने की योजना थी। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं इस मामले में अन्य लोग भी शामिल तो नहीं थे और चोरी की अन्य संपत्ति या सामान कहीं छिपाकर तो नहीं रखा गया है।

समयपुर बादली ट्रैफिक पुलिस का सराहनीय अभियान, बिना हेलमेट वालों का कटा चालान, सुरक्षा का संदेश

राष्ट्रीय शान

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा को लेकर समयपुर बादली ट्रैफिक सर्किल ने आज एक मिसाल पेश की। टीआई संतोष कुमार गुप्ता और उनकी टीम ने मुकरबा चौक पर विशेष अभियान चलाकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के चालान काटे लेकिन इस अभियान की सबसे खास बात सिर्फ चालान काटना नहीं था, बल्कि चालान के बाद वाहन चालकों को हेलमेट का महत्व समझाना और उन्हें हेलमेट प्रदान कर जागरूक करना रहा। टीआई संतोष कुमार गुप्ता ने मौके पर ही लोगों को समझाया कि हेलमेट सिर्फ चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की जिंदगी की सुरक्षा के लिए है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि संतोष कुमार गुप्ता जी का व्यवहार बेहद विनम्र और कर्तव्यनिष्ठ था। उन्होंने सख्ती के साथ-साथ मानवीयता का भी परिचय दिया। उनका यह कदम "चहले सुरक्षा, फिर सख्ती" की भावना को दर्शाता है।स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने भी समयपुर बादली ट्रैफिक पुलिस के इस सराहनीय कार्य की जमकर प्रशंसा की। लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह जागरूकता के साथ कार्रवाई की जाए तो सड़क हादसों में काफी कमी आ सकती है। निश्चित रूप से टीआई संतोष कुमार गुप्ता और उनकी पूरी टीम का यह कार्य काबिले-तारीफ है और अन्य ट्रैफिक सर्किलों के लिए भी एक प्रेरणा है।



नोएडा पुलिस कर्मियों के लिए भावातीत ध्यान पर विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम

अनप्लग इंडिया।डेस्क नोएडा। पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए नोएडा पुलिस लाइन के ऑडिटोरियम में भावातीत ध्यान (ट्रान्सेडेंटल मेडिटेशन) पर विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोएडा पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भावातीत ध्यान की सरल एवं सहज प्रक्रिया से परिचित कराना और यह जानकारी देना था कि नियमित ध्यान अभ्यास मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और स्पष्ट सोच के लिए फायदा प्रकाश उपयोगी हो सकता है। पुलिस सेवा की व्यस्त एवं चुनौतीपूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए कार्यक्रम में मानसिक और शारीरिक विश्राम के महत्व पर भी विशेष चर्चा की गई।

विचारों को रोकने के बजाय मन को सहज रूप से शांत करने की प्रक्रिया

कार्यक्रम के दौरान भावातीत ध्यान की प्रकृति और इसके अभ्यास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि यह एक सरल, प्राकृतिक और सहज



प्रक्रिया है, जिसमें मन को जबरदस्ती विचारों से हटाने अथवा किसी एक बिंदु पर एकाग्र करने का प्रयास नहीं किया जाता। अभ्यास के दौरान मन स्वाभाविक रूप से अधिक शांत अवस्था की ओर जाता है और शरीर को गहरे विश्राम का अनुभव होता है।

टीएम शिक्षकों ने साझा की ध्यान की प्रक्रिया

स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से टीएम

शिक्षकों अर्द्धित श्रीवास्तव और गौरव ठाकुर ने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। उन्होंने भावातीत ध्यान की प्रक्रिया, नियमित अभ्यास और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी साझा की।

इस दौरान प्रतिभागियों को महर्षि महेश योगी के विचारों तथा ध्यान और चेतना के क्षेत्र में उनके योगदान से भी परिचित कराया गया।

योग, स्ट्रेचिंग और प्राणायाम से भी कराया गया अभ्यास

कार्यक्रम में योग एवं प्राणायाम को भी शामिल किया गया। सुमित मलिक, पीयूष और प्रीति ने प्रतिभागियों को योग, स्ट्रेचिंग, विश्राम एवं प्राणायाम के विभिन्न अभ्यास कराए। इन सत्रों के माध्यम से पुलिस कर्मियों को शरीर और मन को तनावमुक्त रखने तथा स्वस्थ दिनचर्या विकसित करने के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण को लेकर पुलिस कर्मियों ने दिखाई रुचि

कार्यक्रम में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उत्साह दिखाया। प्रतिभागियों को बताया गया कि भावातीत ध्यान प्रशिक्षित शिक्षक से व्यक्तिगत रूप से सीखा जाता है और इसे सीखने के लिए पांच दिवसीय पाठ्यक्रम निर्धारित है।

कार्यक्रम के दौरान कई प्रतिभागियों ने इस प्रक्रिया को आगे सीखने और इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने में रुचि व्यक्त की।

दिन में दो बार 15 से 20 मिनट के अभ्यास की दी गई जानकारी

कार्यक्रम में बताया गया कि भावातीत ध्यान का अभ्यास आराम से बैठकर आंखें बंद करके दिन में दो बार लगभग 15 से 20

मिनट किया जाता है। आयोजकों के अनुसार यह एक सहज प्रक्रिया है, जिसमें विचारों को रोकने या मन को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं किया जाता।

पुलिस कर्मियों के कल्याण की दिशा में

हलहल कार्यक्रम के माध्यम से नोएडा पुलिस कर्मियों को लगातार जिम्मेदारियों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच अपने मानसिक एवं आंतरिक संतुलन पर ध्यान देने के लिए एक सरल और व्यावहारिक दृष्टिकोण से परिचित कराया गया। आयोजकों के अनुसार, ऐसे कार्यक्रम पुलिस कर्मियों के व्यक्तिगत कल्याण के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में बेहतर मानसिक स्पष्टता और संतुलन को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं।

स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया विभिन्न संस्थानों के सहयोग से भावातीत ध्यान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। महर्षि महेश योगी द्वारा प्रस्तुत भावातीत ध्यान को आधुनिक जीवन के लिए एक सरल एवं सहज प्रक्रिया के रूप में लोगों तक पहुंचाने का प्रयास इन पहलों के माध्यम से जारी है।

गरिमा यादव ने जीता मिस टीन उत्तर प्रदेश और मिस टीन ड्रीम ऑफ इंडिया 2026 का खिताब

अनप्लग इंडिया।डेस्क नई दिल्ली। पश्चिम विहार स्थित होटल रेडिसन ब्लू में ह्यूड्रीम ऑफ इंडिया 2026हू एवं ह्यू.के. पेजेंटहू द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ब्यूटी पेजेंट का ग्रैंड फिनाले शानदार तरीके से संपन्न हुआ। 2 से 4 अक्टूबर तक चली इस प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभागियों ने विभिन्न चरणों में अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। शानदार प्रदर्शन के दम पर दोनों खिताब किए अपने नाम

प्रतियोगिता में गरिमा यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्टेट लेवल प्रतियोगिता में ह्यूमिस टीन उत्तर प्रदेशहू का खिताब अपने नाम किया। वहीं, नेशनल लेवल पर उन्होंने ह्यूमिस टीन ड्रीम ऑफ इंडिया 2026 (राइजिंग स्टार)हू का खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा और सफलता का परचम लहराया।

गुलशन ग़ोवर और संगीता बिजलानी रहे मुख्य अतिथि

ग्रैंड फिनाले में बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग़ोवर और अभिनेत्री संगीता बिजलानी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडर

गुड्डु कुरैशी और डायरेक्टर वैष्णवी खातून की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने पूरी टीम के साथ मिलकर प्रतियोगिता का सफल संचालन एवं समन्वय किया।

इंट्रोडक्शन, रैंप वॉक और प्रश्नोत्तर राउंड में दिखाया आत्मविश्वास

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न चरणों से गुजरना पड़ा। इसमें इंट्रोडक्शन, रैंप वॉक और प्रश्नोत्तर राउंड प्रमुख रहे। प्रतिभागियों ने इन सभी चरणों में अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजकों के अनुसार, ड्रीम ऑफ इंडिया का मुख्य उद्देश्य मॉडलिंग, फैशन और सौंदर्य प्रतियोगिता के क्षेत्र में उभरती हुई प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है, ताकि युवा प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

परिवार और शुभचिंतकों ने दी बधाई

गरिमा यादव की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, शुभचिंतकों और आयोजकों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एक ही प्रतियोगिता में स्टेट और नेशनल स्तर पर दो महत्वपूर्ण खिताब हासिल करना गरिमा यादव के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।



दिल्ली पुलिस ने राणा प्रताप बाग की 35 लाख रुपए की हाई वैल्यू चोरी का किया खुलासा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा,आज के दौर में किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। दरअसल घर में काम करने के लिए आई घरेलू सहायिका पर परिवार ने भरोसा किया लेकिन पुलिस के मुताबिक वही भरोसा करीब 35 लाख रुपये की चोरी में बदल गया। बता दें कि राणा प्रताप बाग में हुई हाई-वैल्यू सेंधमारी के बाद पुलिस ने सुरागों की कड़ी को जोड़ते हुए कथित मास्टरमाइंड तक पहुंच बनाई और चोरी के माल की सौ प्रतिशत बरामदगी कर ली।

उत्तर-पश्चिमी जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि थाना भारत नगर पुलिस की पीपी संगम पार्क टीम ने कार्रवाई करते हुए (30 वर्षीय) ज्योति पत्नी चंदर प्रकाश निवासी बाबा कॉलोनी बुराड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की



जानकारी के अनुसार ज्योति हाल ही में शिकायतकर्ता परिवार के यहां घरेलू सहायिका के रूप में काम पर लगी थी,सहायिका की जांच के दौरान कथित सलिमता सामने आई। आरोपी के कब्जे और उसकी निशानदेही से करीब 35 लाख रुपये मूल्य के सोने एवं हीरे के आभूषण विदेशी मुद्रा, नकदी और अन्य चोरी का सामान बरामद किया गया। हालांकि पुलिस के मुताबिक 29 सितंबर

2026 को थाना भारत नगर क्षेत्र में हाई-वैल्यू सेंधमारी की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए,ई-एफआईआर संख्या 80082781 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 305/33(14) के तहत जांच शुरू की गई। वारदात में कीमती आभूषण और अन्य सामान गायब होने के कारण पुलिस के सामने बड़ी चुनौती थी। लेकिन पीपी संगम पार्क की टीम ने जांच को कई

दिशाओं में आगे बढ़ाया। मानवीय सूचना तकनीकी निगरानी और जमीनी स्तर पर जुटाई गई जानकारी को आपस में जोड़ते हुए पुलिस ने संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखती शुरू कर दी। जब जांच आगे बढ़ी तो पुलिस की नजर शिकायतकर्ता परिवार के यहां हाल ही में काम पर लगी घरेलू सहायिका ज्योति पर गई। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान उसकी कथित भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में चोरी के सामान को छिपाए जाने से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने का दावा पुलिस ने किया है। पुलिस के मुताबिक चोरी की संपत्ति को डीसू कॉलोनी राणा प्रताप बाग क्षेत्र में छिपाकर रखा गया था। इसके बाद टीम ने इलाके में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली विनीता के संबंध में भी जानकारी जुटाई। पूछताछ के दौरान मिली महत्वपूर्ण

जानकारी के आधार पर पुलिस टीम चोरी के माल तक पहुंच गई और बड़ी मात्रा में सामान बरामद कर लिया।

देखा जाए तो बरामदगी की सूची भी कम चौकाने वाली नहीं है। पुलिस ने 70 ग्राम सोने की वैन 40 ग्राम सोने का कड़ा, सोने की सॉलिटेयर डायमंड अंगूठी, सोने की बालियों की एक जोड़ी, पेंडेंट सहित सोने की वैन और एक अन्य वैन बरामद की है। इसके अलावा 313 सिंगापुर डॉलर, 250 मलेशियाई रिंगिट, 305 संयुक्त अरब अमीरात दिरहम और 4 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को एक पेन ड्राइव, चोरी की लोहे की तिजोरी, कई लिफाफे और सिक्के भी मिले हैं। पूरे घटनाक्रम में पुलिस ने मानवीय सूचना और तकनीकी निगरानी को आधार बनाकर संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश की। जमीनी स्तर पर जुटाई गई जानकारी और

पूछताछ के दौरान सामने आए तथ्यों को जोड़कर जांच को आगे बढ़ाया गया। आखिरकार पुलिस ने कथित मुख्य साजिशकर्ता तक पहुंच बनाते हुए गिरफ्तारी की और चोरी की संपत्ति बरामद कर ली।इस पूरी कार्रवाई के लिए पीपी संगम पार्क के प्रभारी उपनिरीक्षक राजेश पिलानिया के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल अजय और हेड कांस्टेबल सुनील समर्पित टीम ने काम किया। टीम का नेतृत्व इस्पेक्टर राम किशोर, थानाध्यक्ष भारत नगर ने किया, जबकि पूरी कार्रवाई की निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त आकांक्षा रावत, अशोक विहार द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी ज्योति की कई पूर्व आपराधिक सलिमता नहीं पाई गई है। मामले में आगे की जांच जारी है,फिलहाल पुलिस वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दो दिवसीय अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया। बृथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने छात्रों को मतदाता सूची में नामांकन के लिए आवश्यक फॉर्म भरने में मदद की, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए और भरे हुए आवेदन एकत्र किए। चुनाव आयोग के एक बयान के अनुसार, बीएलओ घर-घर जाकर मसौदा सूची में छूटे हुए मतदाताओं की पहचान करेंगे, और जहां भी व्यक्ति पात्र पाया जाएगा, उसे फॉर्म 6 के माध्यम से नामांकन कराने में सहायता करेंगे।

हाल ही में अपनी कॉलोनिंगों के विध्वंस के बाद विस्थापित हुए मतदाताओं के लिए भी विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां उन्हें नामांकन कराने के लिए अपने वर्तमान निवास स्थान पर स्थित शिविरों में आने के लिए कहा गया है।

एक बयान में कहा गया कि गुरुवार तक जारी रहने वाला यह अभियान युवा मतदाताओं के नामांकन को अधिकतम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिसका नारा है 'प्रत्येक पात्र मतदाता को जोड़ा जाए, और मतदाता सूची में कोई भी अपात्र प्रविष्टि न रहे'।

चुनाव आयोग द्वारा 1 अक्टूबर को जारी निर्देशों के अनुसार, सभी 'छूटे हुए पात्र मतदाताओं' को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं से भी आग्रह किया है जिनके नाम मतदान अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षणों के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट (एसएसडीडी) मतदाताओं की सूची में आए हों, वे भी यदि चाहें तो मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरें। बयान में कहा गया है कि एसएसडीडी सूची दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जिन मतदाताओं के नाम मसौदा मतदाता सूची में नहीं हैं, वे 31 अगस्त से शुरू हुई और 30 अक्टूबर तक चलने वाली दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान सहायक दस्तावेजों के साथ फॉर्म 6 भर सकते हैं। सभी नोटिस, दावे और आपत्तियों का निपटारा निर्वाचन कार्यालय द्वारा 30 नवंबर तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची 12 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी।

इस अवधि के दौरान फॉर्म मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), बीएलओ या निर्धारित स्थानों (मतदान केंद्रों) पर व्यक्तिगत रूप से भी जमा किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बीएलओ उन मतदाताओं के घर जा रहे हैं जिनके लिए नोटिस जारी किए गए हैं ताकि उनके दस्तावेज एकत्र किए जा सकें और उन्हें सुनवाई के लिए कार्यालयों में आने की आवश्यकता न पड़े।

बयान में आगे कहा गया है कि बुधवार तक, मतदाताओं से एकत्र किए गए दस्तावेजों के आधार पर 'मानचित्रण न होने' और 'ताकिक विसंगति' के 13,62,162 मामलों का सत्यापन किया जा चुका है।

संपादकीय

एसआईआर पर हंगामा, हकीकत से ज्यादा फसाना



एसआईआर को लेकर जारी हंगामे और विरोध के बीच हकीकत और दावों में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। परियोजना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल से स्पष्ट होता है कि विरोध में कई बातें वास्तविकता से परे हैं

और केवल अफवाहों पर आधारित हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगाता चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लेंगे, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठा या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा भ्रम और डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है। लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बड़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इस बर्बाद दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हें राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुरं दिख रहा है।

लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनावी विवाद का विस्फोट !

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस्तीफे का दबाव, एसआईआर में 13 करोड़ नामों का विवाद, देशव्यापी आंदोलन और 5 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में महासुनवाई पर टिकी विश्व की निगाहें! -समग्र व्यापक विश्लेषण

मतदाता सूची से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मचा चुनावी घमासान! -मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, एसआईआर पर कानूनी चुनौती, ईसीआईनेट के फॉरेंसिक ऑडिट की मांग और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन!

मतदाता सूची से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मचा चुनावी घमासान! -एसआईआर की पारदर्शिता और मताधिकार की सुरक्षा पर छिड़ी राष्ट्रीय बहस! -ऋषा मतदाता का अधिकार बनाम चुनाव आयोग की जवाबदेही बनेगा 2026 का सबसे बड़ा संवैधानिक प्रश्न?

वैश्विक स्तर पर भारत में 2 अक्टूबर का दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के रूप में सत्य, अहिंसा,सादगी, लोकतांत्रिक मूल्यों और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की याद दिलाता है। किंतु 2 अक्टूबर 2026 को देश के राजनीतिक एवं संवैधानिक परिदृश्य में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया है,जिसने भारतीय चुनाव व्यवस्था की पारदर्शिता, निर्वाचन आयोग की संस्थागत स्वतंत्रता और कानूनी मतदाताओं के मताधिकार को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध इस्तीफे,जवाबदेही और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की जांच की मांग को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों,युवा संगठनों और नागरिक समूहों ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं। इस घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि विवाद अब केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहाबल्कि सर्वोच्च न्यायालय में भी पहुंच चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गाँदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाला से रिसर्च कर इस आर्टिकल के माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि आखिर क्या है जोनाथ कुमार से जुड़ा पूरा विवाद? विवाद का मूल चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर की प्रक्रिया और इस दौरान लिए गए निर्णयों को लेकर है। इस प्रक्रिया का घोषित प्रशासनिक

उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना,मु्त एवं स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टियों की जांच करना, डुप्लिकेट नामों को हटाना और पात्र नए मतदाताओं को शामिल करना है।लेकिन अलोचिकों का आरोप है कि प्रक्रिया के दौरान दस्तावेजों की आवश्यकताओं,नाम हटाने की पद्धति,फॉर्म-6 में बदलाव और डिजिटल प्रणालियों के संचालन को लेकर गंभीर सवाल उत्पन्न हुए हैं। साथियों,याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि लगभग 13 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं।यह आंकड़ा याचिकाओं और रिपोर्टों में उठाया गया दावा है,इसे स्वतः13 करोड़ पात्र मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता।विवाद की और गंभीरता तब मिली जब मीडिया रिपोर्टों में सामने आया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले लगभग दस महीनों में आयोग की कुछ प्रक्रियाओं और निर्णयों पर कम से कम 14 अवसरों पर आपत्तियां दर्ज की थीं। रिपोर्टों में फॉर्म-6, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने तथा एसआईआर से संबंधित प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया। हालांकि चुनाव आयोग ने अपने निर्णयों को संस्थागत प्रक्रिया के अनुरूप बताया है। इसलिए इन आपत्तियों को स्थापित अनियमितता के बजाय जांच और स्पष्टीकरण की आवश्यकता वाले तथ्यों के रूप में देखना सटीकता से उचित होगा। साथियों बात अगर हम सर्वोच्च न्यायालय में 5 अक्टूबर की सुनवाई क्यों महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो इस विवाद में 5 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई विशेष महत्व रखती है। मीडिया में उलटबुट समाचार रिपोर्टों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सहित तीन सदस्यों की पीठ के समक्ष संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित है। याचिकाओं में यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने आयोग के अन्य सदस्यों को आवश्यक सहमति के बिना एसआईआर संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए और क्या ऐसे निर्णय संवैधानिक तथा वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप थे।याचिकाकर्ताओं ने कथित एकतरफा निर्देशों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर में किए गए बदलावों को अवैध घोषित करने की मांग की है।इसके साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई, सर्वोच्च न्यायालय के

सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र न्यायिक जांच अथवा विशेष जांच दल गठित करने और ईसीआईनेट तथा ईआरओनेट प्रणालियों का तकनीकी एवं फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी उठाई गई है। आयोग के मूल अभिलेख, फाइल टिप्पणियां और बैठकों के कार्यवृत्त न्यायालय में प्रस्तुत कराने का आग्रह किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण अंतरिम मांग यह है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य करने से रोका जाए। यह याचिकाकर्ताओं की प्रार्थना है,न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया आदेश नहीं। सुनवाई का वास्तविक महत्व इस बात में होगा किन्यायालय निर्णय प्रक्रिया, आयोग की सामूहिक शक्ति और मतदाता सूची पुनरीक्षण कीवैधानिकता से जुड़े प्रश्नों पर क्या निर्देश देता है। साथियों बात अगर हम गांधी जयंती पर मुंबई से देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत को समझने की करें तो 2 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शनों में कांक्रोच जन्ता पार्टी (संजोगी) के संस्थापक की घोषणा विशेष चर्चा में रही है। संघटन ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई से देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की योजना घोषित की थी। इसके बाद विभिन्न शहरों में विरोध कार्यक्रमों और आगे आंदोलन को विस्तारित करने की बात सामने आई। मुंबई में प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए शिवाजी पार्क क्षेत्र का उल्लेख किया गया था। हालांकि पुलिस अनुमति को लेकर प्रशासन और आगोजकों के बीच मतभेदों की खबरें भी सामने आईं। दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर भी पुलिस अनुमति नहीं मिलने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने की रिपोर्टें प्रकाशित हुईं।अतः सभी स्थानों पर एक समान रूप से आंदोलन आयोजित होने अथवा इंटरनेट बंद किए जाने का दावा बिना स्थान-विशिष्ट आधिकारिक गृष्टि के नहीं किया जाना चाहिए। आंदोलन की प्रमुख मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा अथवा संवैधानिक प्रक्रिया के हत हटाने की पहल,मतदाता सूची पुनरीक्षण की स्वतंत्र जांच, हटाए गए पात्र मतदाताओं के नामों की बहाली, चुनाव आयोग की नियमित प्रक्रिया का खुलासा और डिजिटल चुनावी प्रणालियों की जवाबदेही शामिल हैं।विपक्षी दलों की ओर से मतपत्र आधारित मतदान,एसआईआर से पूर्व की मतदाता सूचियों को लेकर पुनर्विचार और प्रभावी अपील व्यवस्था जैसी मांगें भी

सामने आई हैं। यहां यह समझना आवश्यक है कि इस्तीफा, महाभियोग अथवा पद से हटाने की मांगें राजनीतिक और संवैधानिक रूप से अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संविधान में निर्धारित प्रक्रिया लागू होती है; किसी राजनीतिक प्रदर्शन की मांग अपने आप पद से हटाने का कानूनी आदेश नहीं बन जाती। साथियों बात अगर हम फॉर्म-6 और चुनाव आयोग की आंतरिक आपत्तियों का प्रश्न इसको समझने की करें तो मतदाता सूची में नए पात्र मतदाता का नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 महत्वपूर्ण माध्यम है। इस फॉर्म और उससे जुड़ी प्रक्रिया में बदलाव को लेकर भी विवाद उठा है। याचिकाकर्ताओं ने मूल फॉर्म- 6 व्यवस्था बहाल करने तथा निर्णयों की वैधानिकता की जांच करने की मांग की है। दूसरी ओर आयोग का पक्ष है कि एसआईआर संबंधी निर्णय निर्धारित संस्थागत प्रक्रिया के अंतर्गत लिए गए। इस प्रकरण में वास्तविक संवैधानिक प्रश्न यह है कि बहुसदस्यीय निर्वाचन आयोग की शक्तियों का प्रयोग किस प्रकार किया जाना चाहिए। यदि किसी निर्णय पर आयोग के सदस्यों के बीच असहमति दर्ज हुई है,तो संबंधित फाइलों अनुमोदन और बैठक के अभिलेखों से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। पारदर्शिता का अर्थ केवल आरोपों को स्वीकार करना नहीं, बल्कि प्रमाणों के आधार पर उनका विश्लेष सटीकता से परोक्षण करना भी है। साथियों बात अगर हम एसआईआर पूरा कर चुके बौटक के अभिलेखों से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। पारदर्शिता का अर्थ केवल आरोपों को स्वीकार करना नहीं, बल्कि प्रमाणों के आधार पर उनका विश्लेष सटीकता से परोक्षण करना भी है। साथियों बात अगर हम एसआईआर पूरा कर चुके राज्यों में फिर चलेगा विशेष अभियान को समझने की करें तो विवाद के बीच चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया पूरी कर चुके राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची अद्यतन करने के लिए विशेष अभियान की तैयारी का समाचार भी महत्वपूर्ण है। 29 सितंबर का राज्यों को भेजे गए निर्देशों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ चर्चा के अनुसार अभियान का उद्देश्य उन पात्र नागरिकों की पहचान करना है, जिनके नाम पुरोक्षीकरण के दौरान सूची में शामिल नहीं हो सके। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए मतदाताओं को जोड़ने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस प्रक्रिया में एसआईआर से पहले और बाद की मतदाता सूचियों का मिलान किया जाना है,ताकि पात्रमतदाताओं के नाम गलती से हटने की स्थिति का पता चल सके। (-लेखक लेख विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) हैं)

आसमान में मंडराया खतरा तो हिम्मत बनी सैकड़ों यात्रियों की ढाल

कालिदास मंडोत

कैप्टन स्मित मच्छार ने संकट की घड़ी में दिखाया अदम्य साहस और सुश्रुबुद्ध

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यतः रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सुश्रुबुद्ध, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन का आधार बन जाते हैं। हाल की एक घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि संकट के सामने मजबूत हौसला और पेशेवर जिम्मेदारी किसी बड़ी ताकत बन सकती है।

दुर्घट से इमरारत जा रही फ्लाइटदुर्घट की उड़ान में सामने आए गंभीर खतरे के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह परिस्थितियों का सामना किया, उसने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सपने जैसी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी को मिलास के रूप में सामने आई। किसी भी विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट पर सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। सामान्य परिस्थितियों में उड़ान भरना, दिशा बदलना और विमान को सुरक्षित उतराना भी विशेषज्ञता का काम है, लेकिन आपात स्थिति में यही जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उस समय पायलट को बहुत कम समय में उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर निर्णय लेना पड़ता है। एक छोटी सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। कैप्टन स्मित के अनुभव और धैर्य ने ऐसे ही कठिन समय में उनकी पेशेवर क्षमता को सामने रखा। कैप्टन स्मित मूल रूप से गुजरात से है। दिलचस्प बात यह है कि बचपन में उनका सपना पायलट बनने का नहीं था। उनका झुकाव परिवार के कारोबार को आगे बढ़ाने की ओर था। उन्होंने टेक्स्टाइल इंजीनियरिंग और प्रबंधन की पढ़ाई भी की। बाद में एक विमानन संबंधी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उनके जीवन की दिशा बदल गई। विमानन की दुनिया ने उन्हें आकर्षित किया और उन्होंने

वाणिज्यिक पायलट बनने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड में उड़ान प्रशिक्षण लिया और कठिन प्रशिक्षण के बाद व्यावसायिक विमानन में अपना करियर बनाया। एक पायलट के रूप में उनकी पहली उड़ान बंगलुरु से दिल्ली के बीच रही। इसके बाद उन्होंने फ्लाइटदुर्घट में अपना करियर आगे बढ़ाया। उन्हें वाणिज्यिक विमान उड़ाने का 13 वर्ष से अधिक का अनुभव है और बीइंग 737 विमान पर लगभग 9750 घंटे उड़ान का अनुभव बताया जाता है। इतने लंबे अनुभव का महत्व तभी समझ में आता है जब पायलट को अचानक सामान्य परिस्थितियों से अलग किसी चुनौती का सामना करना पड़े। वर्षों के प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित निर्णय क्षमता ऐसे समय में सबसे बड़ा सहायक बनी है। इस घटना ने विमान में पायलट के साथ पूरे चालक दल की भूमिका को भी रेखांकित किया है। यात्रियों की सुरक्षा केवल कॉकपिट तक सीमित नहीं होती। केबिन कू भी आपात परिस्थितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। यात्रियों को शांत रखना, उन्हें सुरक्षा संबंधी निर्देश देना और कठिन परिस्थितियों में व्यवस्थित ढंग से काम करना चालक दल की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। इसलिए विमान की सुरक्षित यात्रा के पीछे पायलट और केबिन कू दोनों का तालमेल महत्वपूर्ण होता है। कैप्टन स्मित ने घटना से पहले भी एक बातचीत में आपात स्थिति के दौरान केबिन कू की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया था। यह विचार उनकी पेशेवर सोच को दर्शाता है कि विमान में सुरक्षा किसी एक व्यक्ति के अनुशासन और समुदाय का परिणाम है। संकट के समय यही टीम भावना यात्रियों के लिए सुरक्षा कवच बनती है। विमानन इतिहास में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब पायलट और चालक दल ने असाधारण परिस्थितियों में यात्रियों की जान बचाई। वर्ष 1988 में अटोला एयरलाइंस की उड़ान के दौरान ऊंचाई पर विमान का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बावजूद चालक दल ने विमान को सुरक्षित उतारने का प्रयास किया। वर्ष 2009 में अमेरिका में एक विमान के दोनों इंजनों पर पक्षियों के झुंड से उतराने के बाद पायलटों ने बेहद कठिन परिस्थिति में विमान को हडसन नदी में उतारा और बड़ी संख्या में यात्रियों की जान बची। इसी तरह विमानन इतिहास में नरैज भागो का नाम भी साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। (वरिष्ठ पत्रकार और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य के व्यक्तिगत विचार हैं।इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सुनील कुमार महला

शिक्षक को पीढ़ियों का निर्माता और समाज का मार्गदर्शक माना जाता है और वह है भी।सच तो यह है कि शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक हैं और किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था से ही तय होता है।हम सभी यह जानते हैं कि शिक्षा व्यक्ति को केवल पढ़ना-लिखना नहीं सिखाती, बल्कि वह शिक्षा ही होती है जो हमें सोचने, समझने, निर्णय लेने और सही-गलत में अंतर करने की क्षमता देती है। वास्तव में,सच तो यह है कि एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होता है तथा समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी भूमिका निभाता है। कहना गलत नहीं होगा कि शिक्षा से आत्मविवशान, सम्मान, रोजगार और आत्मनिर्भरता का मार्ग खुलता है और एक शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार को दिशा बदल सकता है और एक शिक्षित समाज पूरे राष्ट्र का भविष्य बदल सकता है। शायद इसीलिए यह बात कही जाती है कि धन छिन सकता है, संपत्ति लूट हो सकती है, लेकिन शिक्षा वह संपदा है जिसे कोई भी छीन नहीं सकता।

शिक्षकों के योगदान,उनके शिक्षा को समर्पण और शिक्षा में उनकी भूमिका को सम्मान देने के लिए हर वर्ष 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। शिक्षक छात्रों को केवल और केवल ज्ञान ही प्रदान नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, 5 अक्टूबर 1966 को पेरिस में यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के एक विशेष सम्मेलन में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, प्रशिक्षण और रोजगार की स्थितियों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सिफारिश की अपनया गया था। ऐसे में यहां यह स्पष्ट है कि इस दिवस का आयोजन यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन , यूनिसेफ और एजुकेशन इंटरनेशनल मिलकर करते हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि हमारे देश भारत में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यहां यह गौरतलब है कि विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर 1994 से मनाया जा रहा है।

विश्व शिक्षक दिवस मनाने के पीछे के मुख्य उद्देश्यों की यदि हम यहां पर बात करें तो इन्हें क्रमशः शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करना मसलन -शिक्षकों के काम करने के वातावरण, वेतन, स्वतंत्रता और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना मसलन-समाज को बेहतर बनाने के लिए कुशल और प्रेरित शिक्षकों की आवश्यकता पर बल देना,शिक्षा नीतियों में भागीदारी मसलन सरकार और नीति निर्माताओं को शिक्षा



संबंधी निर्णयों में शिक्षकों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही साथ वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा मसलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी कि तकनीक और जलवायु परिवर्तन जैसे नए दौर में शिक्षकों की भूमिका को मजबूत करना आदि हैं। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है और यहां पाठकों को बताता चर्चू कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम-शिक्षण को सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनर्परिभाषित करना: क्या बदलाव आवश्यक हैं? रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का मतलब यह है कि शिक्षक केवल और केवल पढ़ाने वाला या शिक्षा प्रदान करने वाला व्यक्ति मात्र ही नहीं है, अपितु वह तो विद्यार्थियों, अभिभावकों, अन्य शिक्षकों, विद्यालय

प्रबंधन और समुदाय के साथ मिलकर काम करने वाला एक पेशेवर है। सरल व सीधे शब्दों में अगर कहें तो यह थीम इस बात पर जोर देती है कि बेहतर शिक्षा केवल एक शिक्षक के प्रयास से नहीं, बल्कि सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से संभव है।वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम -शिक्षकों के साथ खड़े होना: पेशे की रक्षा करना, इसकी स्थिति को आगे बढ़ाना और हमारे भविष्य को संवारना रखी गई है। यह थीम 1966 की अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन/यूनेस्को सिफारिशों के 60वें वर्ष की वर्षगांठ को ध्यान में रखकर रखी गई है।

आज एआइ का युग है और एआइ और आधुनिक तकनीक के तेजी से बदलते दौर में शिक्षकों के दलना आवश्यक हो गया है, लेकिन

पेशेवर सम्मान की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है।इस वर्ष की थीम यह स्पष्ट करती है कि जब तक समाज शिक्षकों को सही संसाधन, प्रशिक्षण और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सम्मानजनक स्थान नहीं देगा, तब तक एक मजबूत और समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण संभव नहीं है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के दौर में आज शिक्षकों को नई तकनीकों का ज्ञान और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना तथा उनके सम्मान और पेशेवर गरिमा को मजबूत करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। वास्तव में तभी हमारे शिक्षक बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर नई पीढ़ी को सही ज्ञान, संस्कार और दिशा दे सकेंगे और उसके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर सकेंगे। एआइ के दौर में आज शिक्षकों की भूमिका निरंतर बदलती चली जा रही है। आज तकनीक का तेज दौर है और तकनीक से छात्रों को बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं। मसलन, आज बिना शिक्षकों के ही वे एआइ की सहायता से आसानी से सवालों का जवाब पा लेते हैं, इसलिए आज के दौर में शिक्षक का काम सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन और मेंटरशिप देना बन गया है। चौटीय रोकना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना आज एक प्रमुख चुनौती बन गया है। आज शिक्षकों को नए डिजिटल तकनीकों के अनुसार बदलना आवश्यक हो गया है, लेकिन

आज भी हमारे शहरों और गाँवों के बीच इंटरनेट/एआइ सुविधाओं का अंतर तथा प्रशिक्षण की बहुत कमी है। बावजूद इसके एआइ केवल ज्ञान देने का एक मददगार उपकरण जरूर बन सकता है, लेकिन एक सच्चा शिक्षक बच्चे का मार्गदर्शक और जीवन-निर्माता होता है, जिसकी जगह कोई तकनीक नहीं ले सकती।सच तो यह है कि एआइ कभी भी मानवीय सोच, दया, नैतिक मूल्यों और प्रेरणा का मुकाबला नहीं कर सकती है। शिक्षकों को भी यह चाहिए कि वे एआइ को अपना दुश्मन नहीं, बल्कि एक मददगार उपकरण मानें ,ताकि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में बेहतर योगदान दे सकें।बच्चे को सही-गलत का फर्क सिखाना, अच्छा बुरा और नैतिक अनैतिक में अंतर करना, उन्हें अनुशासन में रहना और एक अच्छा इंसान बनाना केवल मानवीय मार्गदर्शन से ही संभव है। हमें यह याद रखना चाहिए कि बच्चे के मन की बात, उसकी उदासी, खुशी या झिझक को सिर्फ एक शिक्षक समझ सकता है। बच्चों को प्रेरणा और प्रोत्साहन मशीन नहीं दे सकती है, यह वास्तव में एक शिक्षक का ही काम है।

(सुनील कुमार महला, प्रोफेशनल राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

तलित गर्ग

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। यह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज सब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, हमारे और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनों सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकते हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व

शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईयूएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशास को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशास की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है -"शिक्षकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना।" यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का उद्देश्य अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियों,

पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है। आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पृथक्करण और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, वह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार

बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है। महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये'-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा

का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियाँ दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है। आज आवश्यकता ऐसे शिक्षकों है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई

का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहीं।क-संतुलन को समझने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल 'गुरु' नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पथर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनवरणक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है, किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की।

संक्षिप्त

समाचार

17 ट्रांसफार्मर से बिजली बंद



लखनऊ। फैजुल्लागंज के बादरास्त इलाकों के अब तक 17 ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद की जा चुकी है। अधिशासी अभियंता पंकज कुमार गुप्ता के मुताबिक, नया मदरसा लोहस्थानऊ, मिश्रा ऑफिस लोहस्थानऊ, गुप्ता प्लानिंग, ताराबाबू फार्म, नीलकंठ मंदिर एक और दो, जैन कॉलोनी, सरदार प्लानिंग, मामा कॉलोनी चौराहा, कनौजिया चौराहा, टेलीपी स्कूल, हेरी लाल मंदिर, गानेश विहार, मार्गव कॉलोनी, नया दादरनगर, कैलाश विहार, सुभाष स्कूल के ट्रांसफार्मर की पेटी बाढ़ के पानी से डूब गई, जिससे करंट उतरने का खतरा हो गया था। इसके कारण बिजली बंद कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पानी का जलस्तर कम होने पर से इनकी बिजली चालू की जाएगी।। (संबाद)

रहीमाबाद थाने की 13 घंटे बिजली गुल

मलिहाबाद। भूमिगत केबल में फाल्ट के कारण रहीमाबाद थाना सहित कटरा गांव की तीन हजार आबादी ने करीब 13 घंटे बिजली संकट झेला। मंगलवार को सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक गामीण परेशान रहे। बिजलीकर्मियों ने थाने के निकट मिले फॉल्ट को सही कर आपूर्ति बहाल की।

चौकलेट खाने से खराब हो रहे बच्चों के दांत, सुबह-रात में ब्रश करना जरूरी

वाराणसी। श्री काशी अगवाल समाज की ओर अगवसेन कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को लगे निशुल्क दंत परीक्षण शिविर में दांतों की जांच कर जरूरी सुझाव दिए गए। इस दौरान डॉक्टरों ने शिविर में आए बच्चों को चौकलेट न खाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चौकलेट खाने से ही बच्चों के दांत खराब हो रहे हैं। ऐसे में सुबह और रात में खाने के बाद ब्रश करना जरूरी है। शिविर में डॉ. नीरज अगवाल, डॉ. पूजा अगवाल ने करीब 30 से ज्यादा लोगों के दांतों की जांच की। लोगों को निशुल्क ओरेल डेंटल किट भी प्रदान की गई। डॉ. पूजा अगवाल ने बताया कि इस समय बच्चों में चौकलेट, फास्टफूड के सेवन से दांतों की समस्या बढ़ती जा रही है। हर छह माह में दांतों की सफाई जरूरी है। अगवसेन मेडिकल हेल्पलाइन को कॉर्पोरेट स्टेश बाबा शाह एवं प्रद्युम्न साह ने दोनों डॉक्टरों को प्रेरिति पत्र भेंट की। स्वागत भूपद अगवाल, सचालन सौरभ अगवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन परियोजना निदेशक दीपक अगवाल ने दिया। प्रद्युम्न अगवाल एवं मीडिया प्रमोटी बजरंग अगवाल ने बताया कि बुधवार को रूी रोंग एवं तवा सौंदर्य परामर्श शिविर में रूी रोंग विशेषज्ञ डॉ. आंचल अगवाल जैन एवं तवा रोंग की डॉ. नेहा शाह मौजूद रहेंगी।

पपिंग स्टेशन लगातार चलाने के निर्देश, जलभराव रोकने पर जोर

गोरखपुर। राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण सिंचाई विभाग के रेगुलेटर बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में शहर के पानी की निकासी बाढ़ पपिंग स्टेशनों के जरिरे की जा रही है। मंगलवार सुबह नगर आयुक्त अजय जैन ने हार्बर्ट रोड पर स्थित डीमेनगढ़ और इलाहीबाग बाढ़ पपिंग स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जलकल के अवर अभियंता धीरज को पपिंग स्टेशन लगातार चलाते रहने के निर्देश दिए, ताकि शहर में कहीं भी जलभराव की स्थिति न बनने पाए।इससे पहले नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 31 हरसेकपूर में लक्ष्मीपुर चौराहा से दहला चौराहा तक बनाए जा रहे आरसीसी नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आए नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता अमरनाथ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।नगर आयुक्त ने पपिंग स्टेशनों की कार्यक्षमता बनाए रखने और जलनिकासी में किसी तरह की बाधा न आने देने पर विशेष जोर दिया। राप्ती का जलस्तर बढ़ने के कारण नदी में सीधे पानी की निकासी प्रभावित होने की स्थिति में पपिंग स्टेशनो को लगातार संचालित करने की व्यवस्था की गई है।

पसमांदा समाज को सहानुभूति नहीं, समान अवसर चाहिए

लखनऊ। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिश आजाद उसारी ने मंगलवार को सहकारिता भवन में आयोजित 'पसमांदा मुस्लिम संवाद' कार्यक्रम में कहा कि पसमांदा समाज को सहानुभूति नहीं, समान अवसर चाहिए। उन्होंने विकास में समाज मानवीय एर जोर दिया। उसारी ने पसमांदा समाज को मेहनतकश और वचितों की आवाज बताया। सरकार की प्राथमिकता है कि इस समाज का कोई व्यक्ति शिक्षा, समानता, रोजगार और विकास के समान अवसरों से वंचित न रहे। इसके लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तेल प्रदास आवश्यक है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य पियांक कानुनगो, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान अयोध्या के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. शाहिद अख्तर, गंजापा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान, पसमांदा मुस्लिम अध्ययन समिति महाध्पक के आचार्य इंद्रीश नुतलाणी और अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक समेत अन्य लोग मौजूद रहे

वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित का है लखनऊ से सीधा संबंध, इस कॉलेज से पूरी की पढ़ाई

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर में भूमिका निभाने वाले लखनऊ के रहने वाले एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित अगले वायुसेना प्रमुख होंगे। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। दीक्षित अभी वायुसेना के वाइस चीफ हैं। उन्हें एक कुशल रणनीतिकार माना जाता है।

मंत्रालय ने बताया कि एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 29वें एयर चीफ ऑफ स्टाफ होंगे। उनकी नियुक्ति 31 अक्टूबर से प्रभावी होगी। एयर मार्शल दीक्षित

वायुसेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल व परम विशिष्ट सेवा मेडल से नवाजे जा चुके हैं। उन्हें मिराज-2000, मिग, जगुआर, तेजस, हॉक, आईएल-78, एएन-32, किरण, एचपीटी-32 और एवरो जैसे कई विमानों को उड़ाने का अनुभव है।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित की जड़ें लखनऊ से जुड़ी हैं। एनडीए में चयन से पहले उनकी शुरुआती शिक्षा-दीक्षा राजधानी में ही पूरी हुई। उनके पिता पीसी



दीक्षित डीएवी डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र के अध्यापक रह चुके हैं। वर्ष 1999 में पिता के रिटायरमेंट के बाद परिवार कुछ दिनों तक चारबाग की बरहा कॉलोनी में रहा और बाद में वे साउथ सिटी स्थित छोटे बेटे अमिताभ दीक्षित (एलआईसी में सेवारत) के आवास पर रहने चले गए। दो साल पहले उनके पिता का निधन हो गया था।

3500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव : लगभग चार दशकों के करियर

में एयर मार्शल आशुतोष ने वायुसेना में कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने पश्चिमी सेक्टर में फ्रंटलाइन फाइटर एयर बेस और दक्षिणी सेक्टर में फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान संभालने के साथ-साथ डिटी चीफ ऑफ द एयर स्टाफ और सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्हें 20 से अधिक प्रकार के विमानों को उड़ाने और 3500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

नामांकन भरने की तारीख खत्म, कुल 188 ने भरा पर्चा

23 अक्टूबर को होगी वोटिंग-निर्देश जारी



लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिग्वा ने बताया कि प्रदेश के पांच मेरठ खंड स्नातक,

आगरा खंड स्नातक, वाराणसी खंड स्नातक, लखनऊ खंड स्नातक व इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों मेरठ खंड शिक्षक, आगरा खंड शिक्षक, वाराणसी खंड शिक्षक, लखनऊ खंड शिक्षक, बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक में 23 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने और मतदाताओं को पहचान सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

फर्जी मतदान को रोकने के लिए ऐसे सभी मतदाता जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं, उन्हें मताधिकार का प्रयोग करने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि जो निर्वाचक किसी कारणवश अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ रहते हैं, उन्हें मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों की मान्यता दी गई है।

येमान्य दस्तावेज हैं

आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्य व केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों की ओर से अपने कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान-पत्र, सांसदों, विधायकों व पार्षदों को जारी सरकारी पहचान-पत्र, संबंधित शिक्षक या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक जिस शैक्षणिक संस्था में नियोजित हो, उस संस्था द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण-पत्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड।

जलसे में इस्लाम पर मजबूती से कायम रहने का संदेश

गोरखपुर। तकिया कवलदह रसूलपुर में जलसा-ए-गोसुलवरा अकीदत व एहतराम के साथ आयोजित हुआ। इसमें उलमा-ए-किराम ने हजरत शेख अब्दुल कादिर जेलानी रहमतुल्लाह अलैह (गौसे आज़म) की जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर रोशनी डाली। लोगों से इस्लाम पर मजबूती से कायम रहने और नेक रास्ते पर चलने की अपील की गई। मुख्य वक्ता मौलाना जहांगीर अहमद अजीजी ने कहा कि औलिया-ए-किराम की जिंदगी हमारे लिए मार्गदर्शन का जरिया है। ईसान को बुराइयों से बचते हुए अल्लाह की इताअत में जिंदगी गुजारनी चाहिए। युवाओं और नई पीढ़ी को दीनी तालीम से जोड़ना वक़्त की जरूरत है। विशिष्ट वक्ता कारी मुहम्मद अनस नक्शबंदी ने कहा कि गौसे आज़म की शिक्षाओं में अल्लाह की इबादत, पैगंबर-ए-इस्लाम की मुहब्बत, अच्छे अखलाक और इंसाफियत की खिदमत का संदेश मिलता है। उन्होंने इन शिक्षाओं को अपनी जिंदगी में उतारने और घर-परिवार में नेक माहौल कायम करने की अपील की। नात-ए-पाक हाफिज रहमत अली निजामी और मुहम्मद दौरेन ने पेश की। संचालन हाफिज आफताब आलम निजामी ने किया। संयोजक हाफिज आरिफ रज़ा ज्वाई ने सभी का आभार जताया। अंत में मुल्क में अमन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ की गई। इस दौरान मुहम्मद आसिफ, इरशाद, मुर्तजा, चुनू आदि मौजूद रहे।

स्कूल से पहले सड़कें ले रहीं इम्तिहान

आगरा। कंधों पर भारी बैग टांगकर साइकिल से स्कूल जाने वाले हजारों बच्चों का धंसी हुई सड़कें हर रोज इम्तिहान ले रही हैं। पश्चिमपुरी में 80 फीट जोनल रोड पर गंगाजल की पाइपलाइन डाली गई थी। इसके बाद सड़क निर्माण हुआ लेकिन फूड सर्किल से मनहर गार्डन होते हुए जोनल पार्क तक दो किमी. के हिस्से में पाइपलाइन वाला हिस्सा धंस गया। यहां गिट्टियां उखड़ रही हैं। इससे कई बच्चे हादसे का शिकार हो चुके हैं।

जलनिगम ने पश्चिमपुरी और शास्त्रीपुरम क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम बीते साल दिसंबर में शुरू किया जो इस साल मार्च तक पूरा हो गया। जून में पाइपलाइन बिछाने वाले हिस्से पर गिट्टियां डालकर डामर से पैचवर्क किया गया लेकिन पहली बारिश में ही सिकंदरा बोदला रोड स्थित फूड सर्किल से जोनल पार्क के बीच 80 फीट रोड और शास्त्रीपुरम टीयर्स रोड का हिस्सा धंस गया।

यहां गिट्टियां बिछ दी गईं। इस सड़क से होकर दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेंट



फ्रांसिस स्कूल, गायत्री पब्लिक स्कूल, विल्ड्रुस प्रोग्रेसिव स्कूल, लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल और हिलमैन स्कूल और एक मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के 20 हजार से ज्यादा छात्र निकलते हैं। सड़क के आधे हिस्से में गिट्टियां पड़ी हैं। स्कूटर और साइकिल फिसलने से बच्चे हादसों का शिकार हो रहे हैं।

लोगों की परेशानी

- जोनल रोड कई जगह से धंसी हुई है। यहां बेतरतीब ढंग से गिट्टियां डाली गई हैं। बच्चे गिर रहे हैं पर इसे ठीक नहीं कराया जा रहा। गड़बड़ी इंजीनियरों और ठेकेदारों की है पर भुगत बच्चे रहे हैं। - पवन सिंह, शिक्षक एवं कोच

तीन बार स्कूटर फिसल चुका है। दो

बार बच्चे बच गए पर एक बार बच्चों और मुझे चोट आई। हर दिन स्कूल छोड़ने के लिए आते हैं। एक साल से दुर्दशा हो चुकी है। - महेंद्र सिंह, अधिभावक

सड़क निर्माण में ये हुई गड़बड़ी : पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के बाद मिट्टी की वाटरिंग और रोलर चलाने की व्यवस्था है। मिट्टी की सही तरीके से कुटाई न किए जाने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। पानी की लाइन बिछाने के कारण पाइप और ट्रेच में मिट्टी भरने से रह जाती है। इसमें पानी डाला जाता है। जीएसबी डालकर इस पर रोलर चलाया जाए तो सड़क नहीं धंसेगी। इसमें लापरवाही पर ही यह समस्या आई है।

- पानी की लाइन बिछाने के बाद बारिश में सड़क कुछ जगह धंस गई थी। तब गिट्टियां डालने को कहा था। अब बारिश थमी है। मिट्टी सूख रही है और डामर के प्लांट चलने शुरू हुए हैं। जल्द ही सड़क के इस पूरे हिस्से के निर्माण की योजना है। - गौरव चौधरी, प्रोजेक्ट मैनेजर, जलनिगम

रात-रात भर घूमे अफसर, आदेश-निर्देश सब अधेरे में गुम,

सड़कों पर दिखी बदहाल सफाई व्यवस्था



आसपास के लोगों ने बताया कि कभी-कभार कूड़ा उठान होता है, बदबू की वजह से कई दुकानदार अपनी दुकान तक नहीं खोलते।

द्वारिकापुरी स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन : यहां दो मशीनें लगी हैं। एक तरफ का गेट खुला था, जबकि दूसरी तरफ ताला लटका था। दोनों ही तरफ मशीनें नहीं चल रही थीं जबकि द्वारिकापुरी बाजार और अन्य

कुछ जगहों पर कूड़े के ढेर लगे थे।

उर्सला के पास स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन : स्टेशन तो खुला था और एक कर्मचारी बैठा भी था, लेकिन मशीन नहीं चल रही थी। पूछने पर बताया कि कूड़ा नहीं आया, इस वजह से मशीन बंद है जबकि गलियों में कूड़ा फैला था।

सरसैया घाट रोड पर कंटेनर ओवरफ्लो : सरसैया घाट रोड पर कूड़े का

कंटेनर भरा हुआ था। इसके आसपास सड़क पर भी कचरा जमा था। ऐसे में सबाल उठता है कि उर्सला स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन में कूड़ा नहीं आने के कारण मशीन बंद थी जबकि कुछ ही दूरी पर कूड़ा जमा था।

रात में निरीक्षण कर कूड़ा उठान पर दिया जोर : नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय मंगलवार रात फिर निरीक्षण पर निकले। वह गोविंदनगर पुराने पुल के निकट स्थित कूड़ा पड़ाव स्थल गए और घर-घर कूड़ा उठान पर जोर दिया। शास्त्री चौक के पास पैचवर्क कार्य का निरीक्षण किया। रतनलालनगर स्थित सत्य हॉस्पिटल के पास मार्ग प्रकाश व्यवस्था न होने पर 10 अक्टूबर तक सभी लाइटें ठीक कराने के लिए कहा। अपने सामने एक स्ट्रीट लाइट ठीक भी कराई।सफाई व्यवस्था सुधारने को 10 अक्टूबर तक का समय दिया है।

खास खबर

बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने पंजाब कोल्ड स्टोरेज मालिक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ की अहम बैठक



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज चंडीगढ़ में पंजाब कोल्ड स्टोरेज मालिक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक की। बैठक के दौरान कोल्ड स्टोरेज क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। एसोसिएशन द्वारा रखी गई मांगों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री भगत ने कहा कि प्रदेश में बागवानी को बढ़ावा देने तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए हर जायज मांग का समाधान किया जाएगा। बैठक के दौरान एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कृषि एवं बागवानी उत्पादों के उचित संरक्षण में कोल्ड स्टोरेज की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी और इन इकाइयों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को बागवानी मंत्री के ध्यान में लाया। श्री मोहिंदर भगत ने कहा कि कोल्ड स्टोरेज कृषि एवं बागवानी उत्पादों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सुविधाएं किसानों की उपज को सुरक्षित रखने के साथ-साथ फसलों में कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने में भी सहायक होती हैं। उन्होंने

ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एसोसिएशन की मांगों पर संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा और नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। श्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार किसानों और बागवानों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बागवानी क्षेत्र को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर बागवानी विभाग के अतिरिक्त सचिव लतीफ अहमद, निदेशक मनीष कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव मंगौली जाटान का किया दौरा, तालाब का अवलोकन कर उपायुक्त को दिए सौंदर्यीकरण करने के निर्देश



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर विकसित करना है। गांवों में भी शहरों जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं पक्की गलियां, नालियां, स्वच्छ पेयजल, स्ट्रीट लाइट, पार्क, व्यायामशाला, ई-लाइब्रेरी और तालाबों का सौंदर्यीकरण उपलब्ध करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को जिला कुरुक्षेत्र में अपने पैतृक गांव मंगौली जाटान का दौरा किया। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव के तालाब (जोहड़) का विस्तृत अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त श्री विश्राम कुमार मीणा को तालाब का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए

दिए। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल ही तालाब स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि तालाब के पास मिट्टी भराव और एक शेड का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया है, लेकिन अभी भी इस स्थान पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और बैटने की समुचित व्यवस्था की कमी है। बरसात के दिनों में यहां जलभराव की समस्या भी बनी रहती है, जिससे आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को

रूप से साफ-सफाई करवाई जाए। तालाब के चारों ओर मजबूत चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण करवाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और जल्द से जल्द कार्य शुरू करवाया जाए।

प्रदेशभर में निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा, जन-जन ने लिया विकसित भारत के निर्माण का संकल्प

पानीपत में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने सेवा ज्योति रथ यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में सेवा ज्योति कलश यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जा रही सेवा ज्योति कलश यात्राओं में प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधानसभा अध्यक्ष, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होकर लोगों से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में सक्रिय सहभागिता का आह्वान कर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को करनाल में एनडीआरआई के सामने अग्रसेन

चौक पर आयोजित विकसित भारत सेवा संकल्प सभा में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द कल्याण ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि यह साधारण कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने का अवसर है। प्रत्येक नागरिक को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

जिला अंबाला में आयोजित समारोह में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि वर्ष 2001 में श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और तब से सार्वजनिक जीवन में सेवा करते हुए 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। इसी उपलक्ष्य में देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

सेवा और संकल्प, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए अपने स्तर पर क्या योगदान दे सकता है।

जिला कुरुक्षेत्र में केशव पार्क (थीम पार्क) में सेवा संकल्प अभियान के तहत विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में शिरकत करने उपरांत संबोधित करते हुए विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा का सफर देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आज 7 अक्टूबर का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने अपना लंबा जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि

पंजाब की अनाज मंडियों में अब तक 7.50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़/खन्ना । पंजाब की अनाज मंडियों में अब तक 8.50 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है, जिसमें से विभिन्न सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा 7.50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। यह जानकारी पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने जगरांव अनाज मंडी में धान खरीद प्रबंधों का जायजा लेने के दौरान दी। इस अवसर पर जगरांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती सर्वजीत कौर माणूके भी उनके साथ मौजूद थीं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि धान खरीद सीजन 2026-27 के दौरान 180 लाख मीट्रिक टन धान की

खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और किसानों की फसल 2,461 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदी जा रही है। उन्होंने बताया कि धान की खरीद के लिए 42,786.68 करोड़ रुपये की नकद ऋण सीमा (सी.सी.एल.) भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) द्वारा जारी की जा चुकी है, जिससे किसानों को फसल की खरीद के बाद तत्काल और निर्बाध भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाना भी पहुंच चुका है। कटारूचक ने स्पष्ट किया कि पंजाब सरकार फसल का एक-एक दाना खरीदेगी और बाहरी राज्यों से पंजाब की मंडियों में धान लाने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि खरीद सीजन के दौरान किसानों और आढ़तियों को

किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार वह पंजाब की विभिन्न अनाज मंडियों का दौरा कर खरीद प्रबंधों का जायजा ले रहे हैं और लुधियाना उन्का 11वां जिला है। उन्होंने कहा कि किसानों की खरीदी गई फसल का भुगतान 24 घंटे के भीतर उनके बैंक खातों में किया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवहन, भुगतान, बारदाने और लिफ्टिंग से संबंधित किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता हैं और उनके साथ पूरे सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे

मंडियों में सूखा और साफ धान ही लेकर आएँ, ताकि फसल की तत्काल खरीद सुनिश्चित हो सके। जगरांओ अनाज मंडी में किए गए प्रबंधों पर संतोष व्यक्त करते हुए श्री कटारूचक ने कहा कि यह एक बड़ी अनाज मंडी है और विधायक श्रीमती सर्वजीत कौर माणूके द्वारा लाभ 2.5 करोड़ रुपये की लागत से मंडी में लाइटों सहित किए गए प्रबंध सराहनीय हैं।

पाराली प्रबंधन के संबंध में उन्होंने कहा कि पंजाब के पानी, हवा और धरती को प्रदूषण से बचना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसान पाराली नहीं जलाएंगे और राज्य सरकार के प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होगी। विधायक श्रीमती सर्वजीत कौर माणूके ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार के लिए किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में अपनी फसल बेचते समय किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भी किसानों से अपील की कि वे निर्धारित नमी के मानकों के अनुसार सूखा और साफ धान ही मंडियों में लेकर आएँ, ताकि खरीद में अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव मंगौली जाटान का किया दौरा, तालाब का अवलोकन कर उपायुक्त को दिए सौंदर्यीकरण करने के निर्देश



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर विकसित करना है। गांवों में भी शहरों जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं पक्की गलियां, नालियां, स्वच्छ पेयजल, स्ट्रीट लाइट, पार्क, व्यायामशाला, ई-लाइब्रेरी और तालाबों का सौंदर्यीकरण उपलब्ध करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को जिला कुरुक्षेत्र में अपने पैतृक गांव मंगौली जाटान का दौरा किया। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव के तालाब (जोहड़) का विस्तृत अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त श्री विश्राम कुमार मीणा को तालाब का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए और इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल ही तालाब स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि तालाब के पास मिट्टी भराव और एक शेड का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया है, लेकिन अभी भी इस स्थान पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और बैटने की समुचित व्यवस्था की कमी है। बरसात के दिनों में यहां जलभराव की समस्या भी बनी रहती है, जिससे आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को परेशानी होती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि तालाब की पूर्ण रूप से साफ-सफाई करवाई जाए। तालाब के चारों ओर मजबूत चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण करवाया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और जल्द से जल्द कार्य शुरू करवाया जाए। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

हरियाणा कला परिषद करेगी सांझी

उत्सव पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

अनप्लग इंडिया

में 10 से 19 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस सांझी उत्सव में हरियाणा के अलग-अलग कोनों से लुप्त होती सांझी कला को बचाने के लिए सैकड़ों महिलाएं भाग लेंगी। हरियाणा कला परिषद के वाईस चेयरमैन महेश जोशी ने बताया कि सांझी उत्सव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 10 अक्टूबर को अमावस्या के दिन विरासत में सांझी प्रतिभागियों द्वारा सुबह 9 बजे से 3 बजे तक सांझी लगाई जाएगी। इसके पश्चात सांय साढ़े चार बजे हरियाणा कला परिषद की ओर से सांझी उत्सव में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। चेयरमैन महेश जोशी ने बताया कि सांझी को समर्पित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनेक हरियाणवी कलाकार भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में सांझी के गीतों के साथ-साथ हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। इसके साथ ही हरियाणा के लोकरंग की विशेष प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र बनेगी। श्री जोशी ने कहा कि हरियाणा की लोक संस्कृति में सांझी कला का अपना विशिष्ट स्थान है। मिट्टी, गोबर, प्राकृतिक सामग्री और रंग-बिरंगे सजावटी तत्वों से तैयार की जाने वाली सांझी केवल एक पारंपरिक कलाकृति नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, लोक आस्था, महिला सृजनशीलता और पारिवारिक परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति रही है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के कारण यह लोक कला धीरे-धीरे विलुप्त की ओर बढ़ रही है। सांझी हरियाणा के ग्रामीण समाज में महिलाओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ी रही है। महिलाएं अपने घरों और दीवारों पर सांझी के माध्यम से विभिन्न आकृतियों, प्रतीकों और पारंपरिक अलंकरणों का निर्माण करती रही हैं। इसमें स्थानीय सामग्री और पारंपरिक तकनीकों का प्रयोग इसकी विशेष पहचान है। सांझी प्रतियोगिता में विजयी रहने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

बी.ए. सेमेस्टर पहला के नतीजे में यूनिवर्सिटी कॉलेज जैतो की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया



अनप्लग इंडिया

जैतो। यूनिवर्सिटी कॉलेज जैतो के स्टूडेंट्स ने पहले सेमेस्टर के नतीजों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया। यह शानदार जानकारी शेयर करते हुए कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर डॉ. परमिंदर सिंह तगड़ ने बताया कि रानी शुक्ला, बेटी आत्मा राम और करिश्मा, बेटी रविंदर कुमार ने 8.47 एस.जी.पी.ए. हासिल करके संयुक्त रूप से पहली पोजीशन हासिल की। अमनप्रीत कौर, बेटी इतबार सिंह ने 8.37 एस.जी.पी.ए. के साथ दूसरी पोजीशन हासिल की, जबकि प्रिशिका, बेटी कमल कुमार ने 8.20 एस.जी.पी.ए. के साथ तीसरी पोजीशन हासिल की। इस शानदार कामयाबी पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सम्राट खन्ना ने होलहार छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स की कड़ी

एकेडमिक क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने इस मौके पर स्टाफ को भी धन्यवाद दी।

किसानों की सुविधा और सुचारु फसल खरीद सरकार की प्राथमिकता

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में फसल बेचने आने वाले किसानों को गेट पास से लेकर फसल खरीद, माप-तोल, उठान और फसल की कीमत के भुगतान तक किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए।

शुरु

दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में स्पीकर संधवा ने की शिरकत

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने और दुनिया भर में बसे पंजाबियों के साथ संपर्क की कड़ियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए अंतरराष्ट्रीय दौरों के बाद पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा पंजाब के लोगों की सेवा के लिए फिर से स्वदेश लौट आए हैं।

अपने विदेश दौरे के बारे में बताते हुए स्पीकर संधवा ने साहिब श्री गुरु नानक देव जी के अमोल्य दर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने उस ऐतिहासिक प्रसंग को याद किया, जब गुरु जी ने बुरे लोगों को 'यहीं बसे रहने' और अच्छे लोगों को 'उठड़ जाने' के लिए कहा था। जब भाई मरदाना जी ने इस गूढ़ रहस्य के बारे में पूछा तो गुरु जी ने समझाया कि



यदि बुरे लोग एक स्थान पर टिके रहते हैं तो उनके बुरे कर्म वहीं तक सीमित रहते हैं, जबकि अच्छे लोग जहां भी जाते हैं, अपने साथ नेकी, भलाई और सेवा-भावना लेकर जाते हैं। स्पीकर संधवा ने कहा, "इस महान विचारधारा से प्रेरित होकर

पंजाब के बेटे-बेटियां आज अपनी मेहनत, हुनर और जज्बे के बल पर दुनिया के हर कोने में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। जहां भी कोई पंजाबी रहता है, वह हमारी भाषा, संस्कृति, विरासत और एकता के मूल्यों को अपने साथ रखता है और

आगे बढ़ता है।"

इस अंतरराष्ट्रीय दौरे का उद्देश्य विभिन्न देशों की संसदीय प्रणालियों, लोकतांत्रिक ढांचों और कार्यप्रणाली को समझने के साथ-साथ विदेशों में बसे पंजाबी और सिख समुदाय के साथ जुड़कर उनकी जरूरतों, भावनाओं और चिंताओं को समझना था।

अंतरराष्ट्रीय दौरे के मुख्य

पड़ाव : बर्लिन, जर्मनी: क्षेत्रीय मुद्दों और प्रवासी भारतीयों की आशाओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा के लिए भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों तथा पंजाबी समुदाय के सदस्यों के साथ मुलाकात की। कुआलालंपुर, मलेशिया: पंजाब के साथ भावनात्मक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सिख समुदाय के साथ

विचार-विमर्श किया।

पेनांग, मलेशिया: पंजाबी समुदाय के कल्याण पर विचार-विमर्श करने और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री श्री चो कोन येओ तथा उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव से मुलाकात की।

दक्षिण अफ्रीका: 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में शिरकत की, जिसमें लोकतांत्रिक सिद्धांतों, संसदीय ढांचे और विश्व के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर चर्चा की गई। कनाडा और अन्य देश: पंजाब के विकास और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर केंद्रित कई सामुदायिक कार्यक्रमों और उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया। इन देशों में हुए प्रमुख विचार-विमर्श का केंद्र पंजाब में निवेश और रोजगार के अवसर

बढ़ाना, औद्योगिक एवं व्यापारिक सहयोग को प्रोत्साहित करना, सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान संपर्क का विस्तार करना तथा राज्य की प्रगति में वैश्विक प्रवासी समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। स्पीकर संधवा ने कहा, "विदेशों में रह रही पंजाबी समुदाय हमारी विरासत और संस्कृति का अनमोल हिस्सा है।" उन्होंने कहा, "मैं इस दौरे के दौरान प्राप्त अनुभवों, विचारों और रणनीतिक संपर्कों का पंजाब के हित में सार्थक उपयोग करने के लिए अपने वतन वापस आया हूं। हमारे प्रयास तीन निरंतर उद्देश्यों पर विशेष रूप से केंद्रित रहेंगे-विदेशों में पंजाब की आवाज को बुलंद रखना, प्रवासी समुदाय के साथ गहरे संबंध बनाए रखना और देश के लिए बेहतरी एवं खुशहाली लाना।"



‘इतिहास आपको याद रखेगा’

नई दिल्ली। अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादों में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा।

चार अक्टूबर को खत्म हुआ कार्यकाल

अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अक्टूबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रज्ञान ओझा स्थायी चीफ सेलेक्टर पद के लिए भी विकल्प बनकर उभरे हैं। चयन समिति में मौजूद सदस्यों में ओझा ने सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं।



गंभीर बोले-

अगरकर के साथ काम करना सौभाग्य की बात - अगरकर के साथ पिछले कुछ समय से गंभीर ने करीब से काम किया। अब जबकि अगरकर का कार्यकाल समाप्त हो गया है तो गंभीर ने सोशल मीडिया पर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। गंभीर ने एक्स पर लिखा, प्रिय अजित भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सौभाग्य की बात रही। वे तीन आईसीसी टॉफियां आपके अटूट विश्वास का प्रमाण हैं। हमेशा टीम पहले और टीम सबसे ऊपर। मैं कहना चाहूंगा कि इतिहास आपके प्रति ज्यादा उदार रहेगा। हर चीज के लिए शुक्रिया। आपको भविष्य के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।

अगरकर के कार्यकाल में मिली यह बड़ी सफलताएं

अजीत अगरकर का भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के तौर पर कार्यकाल कई बड़ी उपलब्धियों से भरा रहा। हालांकि, इसी दौरान विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के अंतरराष्ट्रीय करियर में भी बड़े बदलाव हुए। अगरकर के कार्यकाल को सिर्फ विवादों के नजरिए से नहीं देखा जा सकता। उन के चयन पैनल के दौरान भारत ने तीन आईसीसी खिताब जीते। इनमें 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप तथा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। इसके अलावा भारत 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुंचा था। यानी अगरकर के नेतृत्व वाली चयन समिति के चुने स्क्वाड ने पिछले तीन वर्षों में चार आईसीसी सफेद गेंद टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई और तीन खिताब जीते। अगरकर जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता बने थे।

पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार

खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, ‘श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लगा रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेथ पर गेंद फेंके, अय्यर के पास स्ट्रोक का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म घटा का विषय था।

उन्होंने कहा, ‘उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं।’



एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

● हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, ‘एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूँ।’ गावस्कर ने कहा, ‘आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में क्या कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं। वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आएगा, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रन श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशवीर जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।



गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर बरकरार

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिससे उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।

भारत-ईएफटीए समझौता केवल टैरिफ कटौती तक सीमित नहीं, कारोबार को देगा दीर्घकालिक स्थिरता: सरकार

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को भारतीय निर्यातकों और उद्योग संगठनों से भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संधि (ईएफटीए) के साथ हुए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) का पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता केवल टैरिफ में कटौती का नहीं, बल्कि व्यवसायों को दीर्घकालिक स्थिरता, पुनर्निर्भरता और निवेश आधारित विकास का मजबूत आधार प्रदान करने वाला समझौता है। निर्यात संवर्धन परिषदों (एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल) को संबोधित करते हुए अग्रवाल ने कहा कि इस समझौते ने दोनों पक्षों के बाजारों को अधिक सुलभ बनाया है और व्यापार, निवेश तथा सप्लाई चेन साझेदारी के नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने बताया कि टीईपीए 1 अक्टूबर 2025 से लागू हो चुका है। इस अवसर पर ईएफटीए के सभी चार सदस्य देशों आइसलैंड, लिक्टेस्टोन,



नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के वरिष्ठ प्रतिनिधि नई दिल्ली में मौजूद हैं। जहां समझौते की पहली वर्षगांठ और आगे की रणनीति पर चर्चा की जा रही है। राजेश अग्रवाल के अनुसार, ईएफटीए देशों ने अपनी 92.2 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर रियायतें दी हैं, जिससे भारत के 99.6 प्रतिशत निर्यात को लाभ मिलेगा। गैर-कृषि उत्पादों को तो लगभग पूर्ण बाजार पहुंच उपलब्ध कराई गई है। दूसरी ओर, भारत ने 82.7

प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर प्रतिबद्धताएं दी हैं, जो ईएफटीए देशों के 95.3 प्रतिशत निर्यात को कवर करती हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्यापारिक पुनर्निर्भरता है। उन्होंने बताया कि टैरिफ संरचना लंबे समय तक स्थिर रहने से कारोबारी समूह आत्मविश्वास के साथ निवेश कर सकेंगे, सप्लाई चेन विकसित कर सकेंगे और दीर्घकालिक योजनाएं बना सकेंगे। अग्रवाल ने भारतीय

कंपनियों से अपील की कि वे ईएफटीए देशों की कंपनियों के साथ मिलकर एकीकृत मूल्य श्रृंखलाएं विकसित करें, जो कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक फैली हों। इससे दोनों पक्षों की प्रतिस्पर्धात्मकता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। उन्होंने कहा, रियल आप इस बाजार के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बना सकते हैं, तो आप दुनिया के किसी भी बाजार के लिए तैयार हैं। वाणिज्य सचिव ने कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण अवसरों की ओर संकेत किया। उन्होंने बताया कि ईएफटीए देशों ने कई कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क को शून्य कर दिया है, जिससे भारतीय कृषि निर्यातकों को बड़े अवसर मिल सकते हैं। समझौते के तहत ईएफटीए देशों ने अगले 10 वर्षों में भारत में 50 अरब डॉलर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इसके बाद अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 50 अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

आरबीआई एमपीसी फैसले से पहले बाजार में छाई लाली, सेंसेक्स 462 अंक फिसला

मुंबई. पिछले दो सत्रों की बढ़त के बाद बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर गिरावट देखने को मिली और प्रमुख बेंचमार्क लाल निशान में खुले। निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के फैसले से पहले सतर्क रुख अपनाए रहे, जबकि वैश्विक संकेत भी मिश्रित रहे। कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 462.44 अंक गिरकर 72,605.37 तक पहुंच गया, जबकि निफ्टी 175.65 अंक टूटकर 22,600 के स्तर पर आ गया। दिन की शुरूआत में बीएसई सेंसेक्स 72,965.38 और निफ्टी 22,690.45 पर खुला था, लेकिन कुछ ही देर बाद बाजार और दबाव में आ गया। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.45 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

एसएमई ग्रोथ फंड से छोटे उद्योगों को फंडिंग तक मिलेगी आसान पहुंच, निवेशकों का बढ़ेगा विश्वास : इंडस्ट्री

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई ग्रोथ फंड बनाने से छोटे उद्योगों को फंडिंग तक आसान पहुंच मिलेगी। साथ ही, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। यह जानकारी इंडस्ट्री की ओर से बुधवार को दी गई। पीएचडीसीसीआई के सीईओ और महासचिव रणजीत मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई ग्रोथ फंड बनाना एक बड़ा कदम है और इससे छोटे उद्योगों की सबसे बड़ी समस्या आसान फंडिंग तक पहुंच का समाधान होगा। सरकार इसमें इक्विटी के जरिए भाग लेगी, तो इससे निवेशकों का भी छोटे उद्योगों पर विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इसमें एसएमईआई आईपीओ के जरिए भाग लेगी। इससे उन एसएमईआई को बढ़ावा मिलेगा, जो इक्विटी मार्केट में आना चाहते हैं और अपने कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) के उपाध्यक्ष के सतीश नागराज ने



समाचार एजेंसी आईएनएस से कहा कि हमें लगता है कि यह एक बहुत अच्छा कदम है। सेबी से मंजूरी प्राप्त बैंकों के जरिए एसएमईआई को दस हजार करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। इसका तीन गुना फायदा उठाया जाएगा, जिससे एसएमईआई को लगभग चालीस हजार करोड़ रुपये का फंड मिलेगा और इसका लक्ष्य टियर-2 और टियर-3 शहर हैं। पहले हमें प्राइवेट बैंकों से फंड मिलता था, लेकिन वे कभी टियर-2 और टियर-3 शहरों में नहीं आते थे। इसलिए अब सेबी से मंजूरी प्राप्त बैंकों के तीस हजार करोड़ रुपये जोड़ने से,

कुल फंड चालीस हजार करोड़ रुपये का हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड (एसजीएफ) को स्थापित करने को मंजूरी दे दी थी। इसका उद्देश्य भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए विकास केन्द्रित पूंजी को बढ़ावा देना और मैनुफैक्चरिंग, सर्विस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन-आधारित सेक्टर और रणनीतिक वेल्यू चेन में बेहतरीन भारतीय उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाना है।

आयोग की मतदाता सूची विवाद पर सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विपक्ष लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में गरमागरमी बढ़ गई है। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने राज्यसभा सांसद और यूपीए सरकार में मंत्री रह चुके कपिल सिब्बल का एक पुराना भाषण साझा कर विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन पर करारा सवाल उठाया है। रिजिजू ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उन्हें कैसे तो कपिल सिब्बल पसंद नहीं हैं, लेकिन पहली बार वे उन्हें पसंद आए हैं। उन्होंने इसका कारण भी बताया।

रिजिजू ने कपिल सिब्बल का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, मुझे कपिल सिब्बल पसंद नहीं हैं क्योंकि वे हमेशा भ्रष्ट, चरमपंथी और असामाजिक तत्वों का बचाव करते हुए पाए जाते हैं। लेकिन पहली बार मुझे वे पसंद आए हैं, क्योंकि उन्होंने कानून मंत्री के तौर



◆ रिजिजू ने कपिल सिब्बल के पुराने भाषण से किया पलटवार

पर संसद में दिए गए अपने पुराने भाषण के जरिए कांग्रेस पार्टी के फर्जी वोट चोरी वाले ड्रामे का पर्दाफाश किया है। रिजिजू का दावा है कि कपिल सिब्बल का संसद में दिया गया यह भाषण उनके कानून मंत्री के कार्यकाल का है। इस वीडियो में सिब्बल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया तीन श्रेणियों के अंतर्गत आती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने अपना निवास स्थान एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित कर लिया है, तो उसका नाम पुराने क्षेत्र से हटा दिया जाएगा। वह मतदाता बना रहेगा, लेकिन किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र में। उसका नाम दो जगह नहीं रह सकता है। यदि उसने अपना निवास स्थान बदल लिया हो, लेकिन उसका नाम मतदाता

सूची में पुराने निर्वाचन क्षेत्र में भी बना रहे और नए निर्वाचन क्षेत्र में भी दर्ज हो जाए, ऐसी स्थिति में उनमें से एक नाम रद्द करना होगा। यदि किसी व्यक्ति का निधन हो गया हो, तो ऐसी स्थिति में भी उसका नाम हटाना पड़ता है। सिब्बल आगे कहते हैं, यदि किसी व्यक्ति की कोई व्यक्तिगत शिकायत है, तो मुझे लगता है कि माननीय सदस्य को पीड़ित व्यक्तियों से चुनाव आयोग से संपर्क करने और कमियों को उजागर करने के लिए कहना चाहिए। वे यह भी बता सकते हैं कि वे ईआरओ (इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) के पास जाने और खुद को रजिस्टर्ड कराने के हकदार हैं। यदि उनका नाम हट भी गया है, तो यह उन्हें फिर से रजिस्टर होने से नहीं रोका जा सकता है। वे ईआरओ के पास जा सकते हैं और अनुरोध कर सकते हैं।

सीजेपी और एआईएसए 10 को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) और अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी मांगों को लेकर 10 अक्टूबर को यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है।

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और एआईएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने बुधवार को प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

सौरव दास ने कहा कि सीजेपी, सभी छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ मिलकर 10 अक्टूबर को सड़कों पर उतरेगी और चुनावी व्यवस्था में सुधार होने के बाद ही वापस लौटेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के खिलाफ साजिश रचने के बजाय, व्यवस्था में सुधार पर बातचीत के लिए युवाओं के प्रतिनिधिमंडल को क्यों नहीं बुला सकती। उन्होंने सरकार पर विरोध प्रदर्शन को पटरी से उतारने और तनावपूर्ण एवं हिंसक माहौल बनाने



का आरोप लगाया है।

सौरव ने कहा कि एक लंबे आंदोलन के लिए तैयार रहें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हममें से कितनों को हिरासत में लेते हैं, याद रखें कि यह लड़ाई तो लड़नी ही है, चाहे हम हों या न हों। अगर वोट देने का हमारा अधिकार सुरक्षित रहेगा, तभी हम अपने भ्रष्ट तंत्र को बदल पाएंगे।

नेहा बोरा ने कहा कि 10 अक्टूबर को होने वाला प्रदर्शन हिंदुस्तान के इतिहास में दर्ज किया जाएगा। हम अपनी आखिरी सांस तक अपने लोकतंत्र के लिए लड़ेंगे और इसे कमजोर या खत्म करने की कोशिश करने वाली हर ताकत के खिलाफ मजबूती से खड़े रहेंगे।

धोखाधड़ी के तीन केस में ईडी की 20 ठिकानों पर तलाशी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरलम में सहकारी समितियों से जुड़ी कथित धोखाधड़ी के तीन अलग-अलग मामलों में बुधवार को त्रिशूर, एर्नाकुलम और कोझिकोड में करीब 20 ठिकानों पर छापा मारकर तलाशी की। इन मामलों में कथित तौर पर करीब 92 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति शामिल है। इसी बीच, एक अन्य कार्रवाई में ईडी ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निर्लंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार और आयोग की सदस्य बी.वी. गीता को कथित भर्ती अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार, अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े मामले में पदाधिकारियों पर फर्जी ऋण जारी कर सदस्यों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है और इसमें करीब 55 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति का पता चला है। एर्नाकुलम और



◆ कर्नाटक में केपीएससी के दो अधिकारियों को किया गिरफ्तार

आसपास के करीब पांच-छह ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। थेनेला सर्विस को-ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े दूसरे मामले में अधिक ब्याज देने का वादा कर फर्जी ऋण जारी करने के आरोप हैं। इसमें करीब 10 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति शामिल है और कोझिकोड तथा आसपास के सात-आठ ठिकानों पर कार्रवाई की गई।

प्रधानमंत्री का 'विकसित भारत' का संकल्प जनआंदोलन बन रहा है : सी.आर. पाटिल

एजेंसी, सूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सूरत में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की उपस्थिति में 'विकसित भारत संकल्प सभा' और 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। सेवा, संकल्प और विकास की भावना को दर्शाती यात्रा में मशाल प्रज्वलित कर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पीपलोट के वाई जंक्शन पर आयोजित सभा में सी.आर. पाटिल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से शुरू हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष की यात्रा पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के नागरिक विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं और 'विकसित



भारत' का संकल्प जनआंदोलन का रूप ले रहा है।

पाटिल ने कहा कि 'सेवा ज्योति यात्रा' सेवा की भावना को विकास के संकल्प से जोड़ने और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाने की पहल है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नागरिकों से विकास यात्रा में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और

'विकसित भारत' के निर्माण की सामूहिक शपथ ली।

इसके बाद मशाल के साथ तैयार 'सेवा ज्योति रथ' का तीन मार्गों पर भ्रमण कराया गया। यात्रा में सामाजिक संस्थाओं, मंडलों, उद्योग संगठनों, सहकारी संस्थाओं, विद्यालय-कॉलेज के विद्यार्थियों और नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में सांसद मुकेशभाई दलाल, राज्यसभा सांसद गोविंदभाई धोलकिया, महापौर मायाबेन मावाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष समीर मोदी,

विधायक मुकेशभाई पटेल, संगीता पाटिल, मनुभाई पटेल, संदीपभाई देसाई, अरविंदभाई राणा, किशोरभाई कानाणी, प्रवीणभाई घोघारी, विनोदभाई मोरडिया, कांतीभाई बलर और ईश्वरभाई परमार, जिला कलेक्टर तेजस परमार, नगर निगम आयुक्त राजकुमार बेनीवाल, पुलिस आयुक्त वाबांग जमीर, उपमहापौर डॉ. सुधाकर चौधरी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, सत्तापक्ष नेता अल्पाबेन मेहता, दंडक उर्मिलाबेन त्रिपाठी, जिला संगठन अध्यक्ष भरतभाई राठोड़, नगर निगम की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं पार्षद, पद्मश्री कनुभाई टेलर सहित पदाधिकारी, उद्योगपति, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। 'सेवा ज्योति रथ' की यात्रा वाई जंक्शन से राहुलराज मॉल, सोमेश्वर जंक्शन और ओएनजीसी जंक्शन तक तीन अलग-अलग मार्गों से निकाली गई।



नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी यादशत खोने के बाद याद करने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने हैं, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, 'मेरे लिए रिस्क हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्टर कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूँ कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे

यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।' उन्होंने कहा, 'नए फिल्ममेकर अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट

किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी रिस्क मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही,

जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।' आयुष्मान ने कहा, 'मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।'।

'दृश्य 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिसर्पोन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजह है? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्य 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में

'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्टूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म 'दृश्य 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम की टाणू' भी रिलीज हुई है। 16 अक्टूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्टूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

मेकर्स ने अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।

